सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 186 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 20 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पुनर्वास नीति का असर, नारायणपुर में पांच नक्सलियों ने पुलिस के सामने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का पूरी तरह से सफाया करने का अभियान चरम पर है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह बार बार इस बात को दोहरा रहे हैं कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का आतंक पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। केन्द्रीय गृहमंत्री की बात को सुरक्षाबल सही भी साबित कर रहे हैं। लगातार एनकाउंटर में नक्सली मारे जा रहे हैं जिससे वे बैकफुट पर हैं। वहीं बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे है। ताजा मामले में नारायणपुर जिले में पांच सक्रिय नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर नक्सलियों में चार महिलाएं व एक पुरुष नक्सली शामिल है।

मिली जानकारी के अनुसार जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। नारायणपुर एसपी एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि कुतुल और इंद्रावती एरिया कमेटी के अंतर्गत सक्रिय रहे पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की शपथ ली। सरेंडर करने वालों में जोनल डॉक्टर व डिप्टी कमांडर सहित एलओएस और जनमिलिशिया सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर 1 से 2 लाख तक के इनाम घोषित थे। सरेंडर करने वालों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत 50,000 की प्रोत्साहन राशि और अन्य लाभ प्रदान किए गए हैं।

इस साल अब तक 97 नक्सलियों ने किया सरेंडर

2025 में अब तक 97 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। घर, नौकरी और सुरक्षा जैसे लाभों के चलते नक्सली अब आत्मसमर्पण की राह चुन रहे हैं। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की सरकार ने सरेंडर करने वाले नक्सलियों के लिए जो पॉलिसी बनाई है उसका भी लाभ मिल रहा है। नक्सली अब हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा से जुड़कर अपने व अपने परिवार का भविष्य बेहतर बनाना चाह रहे हैं। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी आत्मसमर्पित नक्सलियों का स्वागत किया है।

बीजापुर में तीन नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर के थाना जांगला से थाना बल डीआरजी एवं बस्तर फाइटर की संयुक्त टीम माटवाड़ा, कुपमेटा की ओर एरिया डोमिनेशन पर निकली थी। अभियान के दौरान कुपमेटा के जंगल से विस्फोटक के साथ 03 सक्रिय माओवादियों को पकड़ा गया। बीजापुर में जिन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें जितेन्द्र कश्यप, छोटू कश्यप, पाण्डू सोढ़ी और लच्छू ताम्बू शामिल है। नक्सलियों के पास से टिफिन बम और अन्य चीजें मिली है. जिसमें कार्डेक्स वायर, बिजली का तार, बैटरी और खुदाई का औजार शामिल है। पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा चलाए जा रहे 'माड़ बचाव अभियान के तहत लगातार कार्रवाई जारी है।

नक्सलियों ने तीसरी बार की शांतिवार्ता की अपील

सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई से परेशान नक्सलियों ने तीसरी बार शांतिवार्ता की पेशकस की है। नक्सलियों ने सरकार के नाम एक पत्र जारी कर कहा कि शांतिवार्ता के लिए बेहतर माहौल चाहते हैं नक्सलियों के उत्तर पश्चिम सब ज़ोनल ब्यूरो के प्रभारी रूपेश के नाम से जारी पत्र में शांति वार्ता को लेकर कहा, मेरे पहले बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का धन्यवाद। मेरी सुरक्षा गारंटी देते हुए मेरे इस कोशिश को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए भी धन्यवाद। उन्होंने आगे उसने लिखा है कि वार्ता के लिए हमारी तरफ़ से प्रतिनिधित्व के लिए नेतृत्वकारी कामरेडों से मिलना ज़रूरी है। इसलिए सरकार से मेरी अपील है कि एक महीने तक सशस्त्र बलों के ऑपरेशन पर रोक लगाई जाए।

खास-खबर

पुलिस जवान ने अपने साथी सिपाही को गोलियों से भूना, गुस्से में ताबड़तोड़ चलाई 20 गोलियां

पटना (एजेंसी)। बिहार के बेतिया में एक बड़ी घटना हुई है, जिसमें पुलिस के एक जवान ने अपने साथी जवान को गोलियों से भून दिया। मृतक की पहचान सोनू कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि उसके साथी परमजीत कुमार ने सोनू कुमार को 11 गोलियां मारी हैं, जबकि उसने कुल 20 गोलियां फायर की थी। घटना पुलिस लाइन की है।

घटना के संबंध में पुलिस लाइन में मौजूद अन्य सिपाहियों ने बताया कि बेतिया के पुलिस लाइन परिसर में किसी बात को लेकर परमजीत कुमार और सोनू कुमार के बीच कहा सुनी हुई। देखते ही देखते मामला ऐसा हो गया कि परमजीत कुमार ने अपने साथी पुलिस कांस्टेबल सोनू कुमार के ऊपर अपनी एसएलआर तान दी। तबतक दोनों में कहासुनी होती रही। इसी दौरान परमजीत सोनू पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। बताया जाता है कि परमजीत ने सोनू के चेहरे पर 11 गोलियां मारी हैं। इस घटना में सोनू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद अन्य सिपाहियों का कहना है कि परमजीत ने लगभग 20 राउंड से भी अधिक गोलियां चलाई है।

घटना की सूचना मिलते ही सभी वरीय पदाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गये। उनका कहना है कि गोलियों की तड़तड़ाहट सुनकर अन्य जवान भी उधर भागे, तब तक आरोपी परमजीत कुमार भागने लगा, लेकिन अन्य जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य सिपाहियों का कहना है कि दोनों में पूर्व का विवाद था, लेकिन असली वजह क्या थी, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी परमजीत से भी पूछताछ की जा रही है। वरीय अधिकारी भी अपने स्तर से जांच कर रहे हैं।

भांजी की मौत, शोक कार्यक्रम में पहुंचे मामा की तालाब में डूबने से हुई मौत

बालोद। भांजी की मौत के बाद शोक में शामिल होने पहुंचे मामा की भी तालाब में डूबने से मौत हो गई। बता दें, 16 अप्रैल को भांजी यानी योगिता साहू (12वर्ष) की मौत हो गई थी। वह अपने घर की बाड़ी के कुएं से पानी निकाल रही थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वो कुएं में गिर गई, जिससे उनकी मौत हो गई। फिलहाल गुंडरदेही पुलिस ने मर्ग कायम कर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ में एक तरफ भीषण गर्मी, तो दूसरी तरफ आंधी-तूफान और बारिश का कहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

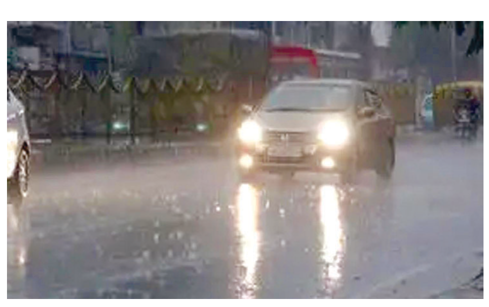

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज इन दिनों कुछ ऐसा है कि लोगों को हर दिन किसी नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक ओर लू जैसे हालात लोगों को बेहाल कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरज-चमक और आंधी-तूफान के साथ हो रही बारिश ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में प्रदेशभर में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी और ज्यादा तीव्र हो जाएगी। रायपुर और बिलासपुर जैसे शहरों में तापमान पहले ही 41.4 डिग्री तक पहुंच गया है। राजधानी रायपुर में बीते 24 घंटों में तापमान में 2.2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई, वहीं सरगुजा में यह वृद्धि 2.1 डिग्री रही।

हालांकि, कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश भी देखने को मिली है, जिससे थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन गर्मी पर इसका खास असर नहीं पड़ा। रायपुर में शुक्रवार को सुबह और शाम को बारिश हुई, लेकिन दिन का तापमान 41.4 डिग्री तक बना रहा। रात में भी पारा 27.2 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे उमस में भी इजाफा हुआ। हवा की गति करीब 7 किमी प्रति घंटा रही और आर्द्रता का स्तर लगभग 60 प्रतिशत के आसपास बना रहा।

मौसम विभाग ने अगले 4 दिनों के लिए गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। लोगों से अपील की गई है कि वे मौसम संबंधी अपडेट्स पर नजर बनाए रखें और सावधानी बरतें। खासतौर पर खुले स्थानों से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें, क्योंकि आंधी-तूफान और बिजली गिरने जैसी घटनाएं जानलेवा हो सकती हैं।

बादल फटने से 3 की मौत, जम्मू में भारी बारिश के दौरान प्राकृतिक आपदा, प्रशासन ने शुरू किया रेस्क्यू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के बीच रविवार को प्राकृतिक आपदा से लोग दहल गए। यहां के रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। बादल फटने से मची तबाही में कई घर चपेट में आ गए। फिलहाल प्रशासन ने रेस्क्यू शुरू कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और घर आ गए। रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड घटनाएं हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद कर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर बताया किबीती रात रामबन क्षेत्र में भारी ओलों की बारिश, तेज हवाएं और कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ था। इस प्राकृतिक आपदा से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है और दुर्भाग्यवश तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कुछ परिवारों को संपत्ति का नुकसान हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वे रामबन के उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी से संपर्क में हैं और जिला प्रशासन की तत्परता और सराहनीय कार्रवाई की प्रशंसा की, जिसने कई जानें बचाईं। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों को सभी प्रकार की सहायता दी जा रही है, चाहे वह आर्थिक हो या कुछ भी हो। यदि जरूरत पड़ी तो सांसद निधि से व्यक्तिगत रूप से भी सहायता प्रदान की जाएगी।

अग्निवीर के लिए ऑनलाइन आवेदन की तारीख बढ़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अग्निवीर के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 25 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी गई है। आवेदकों को यदि ऑनलाइन आवेदन करने में किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो तो वे सेना भर्ती कार्यालय के दूरमाष क्रमांक 0771-2965212 अथवा 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। अग्निपथ योजना में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक नई योजना है। इसकी घोषणा 16 जून 2022 को की गई। इस योजना के तहत सेना में शामिल होने वाले जवानों को 'अग्निवीर के नाम से जाना जाएगा। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होनेवाले युवाओं का सेवाकाल 4 साल का होगा। इस कार्यकाल में 6 महीने की ट्रेनिंग अवधि भी शामिल है।

भारतीय सेना के सबसे पुराने और सबसे बड़े प्रशिक्षण केंद्रों में से एक, नासिक रोड स्थित आर्टिलरी सेंटर सेना द्वारा अग्निवीरों के रूप में भर्ती किए गए युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए स्वीकृत स्थानों में से एक है। 5000 अग्निवीरों का पहला बैच आर्टिलरी सेंटर में 31 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण से गुजरेगा, जिसमें से पहले 10 सप्ताह बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण के लिए होंगे, जबकि शेष 21 सप्ताह उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए होंगे। अग्निवीरों को उनकी योग्यता और कौशल के आधार पर चार विषयों में विभाजित किया जाएगा।

शिक्षक ने लूटी छात्रा की आबरू, गर्भवती होने पर हुआ खुलासा, शिक्षक सहित दो पर एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

पेंड्रा। पेंड्रा में एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है जिसमें एक स्कूल शिक्षक समेत दो लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक युगल किशोर दिनकर के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। इसके अलावा एक अन्य युवक पर भी छात्रा ने शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। मामले का उजागर तब हुआ जब छात्रा गर्भवती हो गई। पीड़िता ने जब अपने परिवार को इस बारे में बताया तो मामला पुलिस के पास पहुँचा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मरवाही और पेंड्रा थाना पुलिस ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच में जुट गई है। पीड़िता ने दोनों आरोपियों पर विश्वास में लेकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों थानों की संयुक्त टीम मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है। मेडिकल परीक्षण समेत अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

फिलहाल दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तथ्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अब सुप्रीम कोर्ट निशाने पर

श्रीकंचनपथ

देश का सर्वोच्च न्यायालय निशाने पर है। एक बार फिर वही चाल चली गई है जिसमें पार्टी कुछ नहीं कहती बल्कि उसके नेता अंटशंट बकते हैं और पार्टी उससे किनारा कर लेती है। देश भर में सोशल मीडिया पर बहस चल पड़ती है और जनता का साफ-साफ ध्रुवीकरण हो जाता है। पहले यह प्रयोग हिन्दू मुसलमान को लेकर किया गया। पार्टियां अपना दामन इससे अलग रखती रहीं। पार्टी के बड़े नेता इसपर कोई भी टिप्पणी करने से बचते रहे पर छिपकलियों को छुट्टा छोड़ दिया। उन्होंने बिना लगाम के जो कुछ भी कहा वह देश भर में आग की तरह फैल गया। इस तरह से सांप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी। अब एक नेता ने सुप्रीम कोर्ट को भी इसी अखाड़े में घसीट लिया है। जनाब का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देश में गृहयुद्ध के लिए जिम्मेदार हैं। यह सारा फसाद शुरू हुआ सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने को लेकर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बाद अब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस पर ऐतराज जताया है। उनकी समझ में चूंकि भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं इसलिए सीजेआई राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकते। वो कहते हैं कि कोई उसे कैसे निर्देश दे सकता है जिसने उसे नियुक्त किया है। वो ये भी कहते हैं कि देश में गृहयुद्ध के लिए चीफ जस्टिस जिम्मेदार हैं। धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। उनका आरोप है कि कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। सनातन की बात करने वालों को यह तक नहीं पता कि न्यायाधीश सर्वोच्च होता है। वो कहते हैं कि अगर हर किसी को सारे मामलों के लिए सर्वोच्च अदालत जाना पड़े तो संसद और विधानसभा बंद कर देनी चाहिए। और उनका यही कथन उनके सवाल का जवाब भी है। यदि वो चाहते हैं कि संसद द्वारा पारित कानूनों में सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप न करे तो उन्हें यह भी मान लेना चाहिए कि विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल को नहीं रोकना चाहिए। कुछ राज्यों के गवर्नर और खासकर दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तो इसीलिए बदनाम हैं कि उन्होंने विपक्षी दल की सरकार को काम ही नहीं करने दिया। दरअसल, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल को कुछ नियमों का पालन करना होता है। या तो उसपर वे मुहर लगाएं या फिर दोबारा विवेचन के लिए विधानसभा को लौटा दें। यदि विधेयक दोबारा पारित होकर आता है तो राज्यपाल उसे नहीं रोक सकते। ऐसी स्थिति में या तो विधेयक पर हस्ताक्षर करना पड़ता है या फिर राष्ट्रपति को भेजना होता है। हर विधेयक राष्ट्रपति को नहीं भेजी जा सकती। विपक्ष शासित प्रदेशों के राज्यपाल एक पैंतरा अपनाते हैं। वे न तो विधेयक को लौटाते हैं और न उसपर मुहर लगाते हैं। इस तरह से विधानसभा अर्थात राज्य सरकार की मेहनत पर पानी फिर जाता है।

संपादकीय

100 प्रतिशत सफलता के झूठे दावे और कोचिंग इंडस्ट्री का कड़वा सच

हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।

सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं।

> कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है।

उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो।

यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।

गौरतलब है कि आइआइटी-जेईई परीक्षा के नतीजों की तारीख नजदीक है। आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्त्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता।

कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

स्कूलों की मनमानी और छात्रों के साथ होता गुलामों जैसा व्यवहार!

इस तरह के अमानवीय व्यवहार पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सही ही स्कूल प्रबंधन को फटकार लगाई और कहा कि छात्रों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार करने वाले ऐसे स्कूल बंद करने लायक हैं। देश में शिक्षा के व्यवसायीकरण के बढ़ते दायरे का विद्रूप कई बार बेहद अफसोसनाक तस्वीर सामने कर देता है। निजी विद्यालयों में मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है कि वे विद्यार्थियों को केवल कमाई का जरिया समझने लगे हैं।

ऐसा लगता है कि मुनाफाखोरी में लगे ये विद्यालय इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं करते कि महंगाई के इस दौर में बच्चों को किसी तरह पाल रहे कुछ माता-पिता कैसे अतिरिक्त शुल्क का बोझ सहेंगे। हालांकि इनमें ज्यादातर शुल्कों का कोई मजबूत आधार नहीं होता है, लेकिन संबंधित सरकारी महकमे अपनी आंखें मूंद कर एक तरह से इसकी अनुमति ही देते हैं।

नतीजतन मनमानी बढ़ती जाती है। तकलीफदेह यह है कि शुल्क वसूलने के क्रम में स्कूल प्रबंधन की ओर से कई बार ऐसे तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, जो न केवल नियमों के विरुद्ध होते हैं, बल्कि उसके लिए मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया जाता है। गौरतलब है कि देश की राजधानी के द्वारका इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर कुछ बच्चों को पुस्तकालय में बंद कर दिया गया और उन्हें कक्षाओं में जाने से भी रोक दिया गया।

इस तरह के अमानवीय व्यवहार पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सही ही स्कूल प्रबंधन को फटकार लगाई और कहा कि छात्रों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार करने वाले ऐसे स्कूल बंद करने लायक हैं। जबकि किसी भी वजह से स्कूलों में बच्चों को कोई भी शारीरिक दंड देने पर सख्त मनाही है और समय-समय पर अदालतें भी इसके खिलाफ निर्देश जारी करती रही हैं। किसी भी तरह के भेदभाव और सार्वजनिक प्रताड़ना से बच्चों को कोमल मन-मस्तिष्क को ठेस पहुंचती है और इससे लगे सदमे का असर लंबे समय तक बना रह सकता है।

यह बाल अधिकारों का भी हनन है। दूसरी ओर माता-पिता स्वयं को अपमानित और प्रताड़ित महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों का उत्पीड़न रोकने के लिए सुरक्षा उपाय होने चाहिए। मनमाने तरीके से शुल्क वसूलने के लिए विद्यालय द्वारा किसी भी तरह का भेदभाव हर हाल में अनुचित है। बच्चों को वस्तु समझ कर बर्ताव करने वाले स्कूलों पर सख्ती से लगाम लगाने की जरूरत है।

वक्फ कानून पर विभाजनकारी राजनीति, मुर्शिदाबाद हिंसा की कल्पना नहीं थी

आम तौर पर वक्फ संशोधन कानून का विरोध या तो वे मुस्लिम नेता और संगठन कर रहे हैं जो वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करते थे या फिर वे राजनीतिक दल जो मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते हैं और वह भी उन्हें बरगलाकर और डराकर। पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों में वक्फ कानून के बहाने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति चमकाने की होड़ लगी है।

संजय गुप्त। संसद से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने और उसके कानून बनने के उपरांत पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भयावह हिंसा के चलते वहां से सैकड़ों हिंदुओं का पलायन बहुत ही शर्मनाक और चिंताजनक है। इसकी तो आशंका थी कि कुछ मुस्लिम संगठन और राजनीतिक दल इस कानून के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करेंगे, पर मुर्शिदाबाद सरीखी हिंदू विरोधी हिंसा की कल्पना नहीं थी। यह हिंसा बंगाल सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करती है। मुर्शिदाबाद में दो हिंदुओं की घर से खींचकर हत्या भी की गई और बड़े पैमाने पर लूटपाट और आगजनी भी। इसके कारण ही सैकड़ों लोग पलायन करके मालदा और झारखंड भागने को विवश हुए। पता नहीं ये लोग अपने घरों को लौट सकेंगे या नहीं? यदि लौटते हैं तो अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे या नहीं? वक्फ कानून विरोधियों के उपद्रव को रोकने की कोई कोशिश करने के बजाय बंगाल सरकार जिस तरह हाथ पर हाथ रखकर बैठी रही, उसे तृणमूल कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की विभाजनकारी राजनीति ही कहा जाएगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा से किस तरह मुंह मोड़ा, इसका पता इससे चलता है कि हिंसा के लिए उन्होंने विश्व हिंदू परिषद और सीमा सुरक्षा बल को जिम्मेदार ठहरा दिया। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी दोष मढ़ा। उनकी मानें तो यह हिंसा बंगाल सरकार को बदनाम करने के लिए की गई। हिंसा के कारण जिन लोगों को पलायन करना पड़ा, उनसे ममता बनर्जी ने लेशमात्र भी सहानुभूति नहीं दिखाई। इसका पता इससे भी चलता है कि उन्होंने राज्यपाल से कहा कि वह पीड़ितों से मिलने मालदा न जाएं। वह उनके आग्रह की अनदेखी कर वहां गए और उन्होंने राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया, लेकिन अभी यह भरोसा नहीं कि हिंसा पीड़ितों को न्याय मिलेगा। वक्फ कानून के विरोध की आड़ में मुर्शिदाबाद और कुछ अन्य स्थानों में की गई हिंसा की सघन जांच जरूरी है। इस हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को कठोर दंड का भागीदार बनाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही हिंसा पीड़ितों को पूरी राहत भी दी जानी चाहिए।

आखिर वक्फ बिल में ऐसा क्या है कि उसके विरोध के नाम पर हिंसा का सहारा लिया गया और अब भी हिंसा फैलाने की धमकियां दी जा रही हैं? क्या यह किसी से छिपा है कि पुराने वक्फ कानून का विरोध अनेक मुस्लिम संगठन ही कर रहे थे? वे ऐसा इसलिए कर रहे थे, क्योंकि वक्फ बोर्डों की मनमानी से अनेक मुस्लिम भी पीड़ित थे। इन वक्फ बोर्डों से मुसलमानों का कोई भला भी नहीं हो रहा था। आज ऐसे मुस्लिमों को खोजना कठिन है, जिन्हें वक्फ बोर्डों से किसी तरह की सहायता मिली हो। इसके तमाम उदाहरण अवश्य हैं कि वक्फ बोर्ड पदाधिकारियों ने वक्फ संपत्ति बिल्डरों को बेच दी या फिर उसे मामूली किराए पर दे दिया। क्या इससे कोई इन्कार कर सकता है कि वक्फ संपत्तियों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हुआ है?

इसी दुरुपयोग के कारण पिछले दिनों बोहरा मुसलमानों के एक संगठन ने प्रधानमंत्री से मिलकर वक्फ कानून में संशोधन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इसके अलावा कई अन्य मुस्लिम समूहों ने वक्फ संशोधन कानून की प्रशंसा की। केरल के ईसाई संगठनों ने भी इस कानून को सराहा है। वक्फ कानून के विरोधी इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वक्फ बोर्ड किस तरह गांव के गांव की जमीन पर दावा कर दिया करते थे। इसका जिक्र ससंद में भी किया गया और उच्चतम न्यायालय में भी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि अभी हाल में तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गुजरात, बिहार आदि में वक्फ बोर्डों के मनमाने दावों से परेशान लोग खुद को वक्फ बोर्डों से बचाने की गुहार लगाते हुए सामने आए। वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद में बहस के दौरान ऐसे आंकड़े दिए गए थे कि वक्फ कानून में 2013 में किए गए बदलाव के बाद किस तरह वक्फ संपत्ति में अनाप-शनाप वृद्धि दर्ज की गई।

आम तौर पर वक्फ संशोधन कानून का विरोध या तो वे मुस्लिम नेता और संगठन कर रहे हैं, जो वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करते थे या फिर वे राजनीतिक दल, जो मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते हैं और वह भी उन्हें बरगलाकर और डराकर। पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों में वक्फ कानून के बहाने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति चमकाने की होड़ लगी है। वे इस झूठ के सहारे मुसलमानों को बरगलाने के साथ उकसा रहे हैं कि नया वक्फ कानून उनकी मस्जिदें और कब्रिस्तान छीनने का काम करेगा। नए वक्फ कानून में कमियां निकालने की होड़ में उसे संविधान विरोधी, मुस्लिम विरोधी वगैरह तो बताया जा रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है कि संविधान विरोधी तो 1995 और 2013 का वक्फ कानून था।

वक्फ कानून आजादी के बाद 1954 में ही बन गया था। समय-समय पर उसमें बदलाव कर वक्फ बोर्डों के अधिकार बढ़ाए गए, लेकिन उनकी संपत्तियों के दुरुपयोग के चलते मुसलमानों का कोई भला नहीं हुआ। आखिर क्या कारण है कि वक्फ बोर्डों के पास अरबों रुपये की जमीन होते हुए भी मुस्लिम समुदाय में गरीबी और अशिक्षा सबसे अधिक है? मुसलमानों को यह समझने की जरुरत है कि कथित मुस्लिम हितैषी राजनीतिक दल उनके वोट हासिल करने के लिए उनका भला करने के स्थान पर उनका तुष्टीकरण कर रहे हैं। उन्हें यह भी समझना होगा कि किसमें उनकी भलाई है और किसमें नहीं?

यदि मुसलमान भाजपा को सिर्फ एक हिंदूवादी दल के रुप में देख कर अपने हित के लिए उठाए गए कदमों की अनदेखी करेंगे तो अपना नुकसान ही करेंगे। क्या वे इसकी अनदेखी कर सकते हैं कि तीन तलाक विरोधी कानून मुस्लिम महिलाओं की भलाई के लिए लाया गया था और इससे उनका सचमुच भला हुआ भी? कोई भी कानून पूर्णतया सही नहीं होता। यदि संशोधित वक्फ कानून में कोई खामी होगी तो उसे उच्चतम न्यायालय दूर कर देगा। मुसलमानों को न केवल उच्चतम न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए, बल्कि वक्फ बोर्डों के कामकाज पर निगरानी भी बढ़ानी चाहिए, ताकि वक्फ संपत्तियों का सदुयपयोग हो और गरीब मुसलमानों का भला हो। उन्हें वक्फ कानून पर विभाजनकारी राजनीति करने वालों से सतर्क भी रहना होगा।

बाजार का डर

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर की वजह से वैश्विक मंदी के डर के साथ दुनिया भर में अनिश्चितता का माहौल है। अमेरिकी शेयर बाजार इस कदर खौफजदा है कि पिछले हफ्ते वहां का बेंचमार्क इंडेक्स S&P 500 9.1% गिर गया, जो मार्च 2020 में कोरोना वायरस की दहशत के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। S&P 500 इस साल फरवरी के पीक से 17% से अधिक गिर चुका है। 20% से अधिक गिरावट आने पर बाजार मंदी में चला जाता है।

मार्केट में दहशत

इसका असर सोमवार को दुनिया के दूसरे बाजारों पर भी दिखा। हॉन्गकॉन्ग में बेंचमार्क इंडेक्स 12% से नीचे बंद हुआ, तो ताइवान का बाजार 10% नीचे। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स करीब 8% फिसल गया, जबकि दक्षिण कोरिया 5% से नीचे बंद हुआ। भारत में बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 3% से अधिक फिसला, वह भी तब जबकि इसमें पिछले साल अक्टूबर से ही गिरावट आ रही है।

पॉवेल से मदद नहीं:

अमेरिका में दशकों से यह ट्रेंड रहा है कि जब भी निवेशक संकट में होते हैं, वहां का केंद्रीय बैंक किसी न किसी तरह की मदद करता आया है, लेकिन इस बार ऐसे कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के चीफ जेरोम पॉवेल ने पिछले शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी टैरिफ अनुमान से अधिक हैं और उसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा, यह समझने में वक्त लगेगा। यानी केंद्रीय बैंक की ओर से कोई मदद नहीं मिलने जा रही।

स्टीमुलस से आशा:

ट्रंप के टैरिफ का दुनिया के दूसरे देशों पर क्या असर होगा, इसका अंदाजा लगने में भी वक्त लगेगा। इसलिए मार्केट के जानकार फिलहाल निवेशकों को इस अनिश्चितता के दूर होने का इंतजार करने की सलाह दे रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन में अमेरिकी टैरिफ के असर से इकॉनमी को बचाने के लिए शी चिनपिंग सरकार स्टीमुलस पैकेज लाने की सोच रही है।

ज्यादा असर नहीं:

भारत में हाल की तिमाहियों में कंजम्पशन डिमांड पर दबाव दिखा था, जिसमें इधर रिकवरी के संकेत मिले हैं और आने वाले वक्त में इसमें और सुधार होने की उम्मीद है। दूसरी बात यह है कि ट्रंप के टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत असर नहीं होगा और इसके असर से बचने के लिए भारत सरकार अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत कर रही है। भारत पर टैरिफ भी दूसरे एशियाई देशों की तुलना में कम लगा है।

डिमांड मजबूत होगी:

यहां कुछ दिनों में रिजर्व बैंक की ओर से ब्याज दरों में कटौती की भी उम्मीद है। सरकार के बजट में 12 लाख की आय पर टैक्स छूट और ब्याज दरों में कमी से भी डिमांड को मजबूती मिल सकती है। फिर भी, निवेशकों को जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करना चाहिए।

जनता को करारा झटका

दुनिया भर में शेयर बाजार के जबरदस्त तरीके से लुढ़कने के सदमे के दरम्यान ही सरकार ने जनता को घरेलू गैस सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा कर करारा झटका दिया।

उपभोक्ताओं को इस वृद्धि के बाद प्रति सिलेंडर 853 या 879 रुपये देने होंगे जो अब तक क्रमश: दिल्ली में 803 रुपये या कोलकाता में 829 रुपये में मिल रहा था। उज्जवला योजना के तहत मिलने वाला 14.2 किग्रा. का सिलेंडर अब 553 रुपये में उपलब्ध होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार, आगे इस मूल्य वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। अमेरिका-चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध के चलते अप्रैल, 2021 के बाद कच्चे तेल की कीमतें सबसे निचले स्तर पर हैं।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के बाद शेयर बाजार धड़ाम से गिरा है। निवेशकों में चीन समेत अन्य कई देशों के अमेरिका पर उल्टा नये टैरिफ की घोषणा से टैरिफ वॉर के गंभीर रूप लेने का डर बैठ गया है। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा है, जहां भय और अनिश्चितता के चलते बिकवाली की गहरी मार पड़ी। निवेशकों की घबराहट के बावजूद बाजार के गिरने का सिलसिला मंगलवार को थोड़ा थमता नजर आया।

मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार के असर से घरेलू शेयर मार्केट का बचना नामुमकिन है। आर्थिक विशेषज्ञ इस ट्रेड वॉर को आर्थिक मंदी की आहट भी मान रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई की मार केवल भारतीय जनता ही नहीं झेल रही है, आम अमेरिकी भी खासा परेशान है। ट्रंप के निर्णयों के बाद अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों का दौर चालू हो चुका है। हालांकि अपने यहां आपसी असहमतियों से बिखरा विपक्ष इस मौके का लाभ लेने में कतई चूक रहा है।

पेट्रोल-डीजल के खुदरा मूल्य के न बढ़ने की दलीलों के बावजूद आम उपभोक्ता जल्द ही दाम बढ़ने को लेकर पूरी तरह आशंकित है। जैसे पूर्व में गैस सिलेंडर के दाम दस-दस रुपये बढ़ते रहे हैं। बड़ा तबका अपने सीमित बजट में आसानी से समन्वय कर लेता है। मगर पचास रुपये आम निम्न मध्यवर्गीय की जेब पर पड़ने वाली मामूली राशि नहीं कही जानी चाहिए। वह भले ही छोटा निवेशक न हो पर कंपनियों की आय और मुनाफे पर पड़ रहे ट्रेड वॉर के असर से भी आम नागरिक नहीं बचने वाला। क्योंकि इसके कारण बढ़ी महंगाई के चपेटे में समूची दुनिया आ सकती है। सरकार को तत्काल विचार करने की जरूरत है।

सारी माया कुर्सी की, गद्दी की

हरिशंकर व्यास

यों यह सवाल गलत है। इसलिए क्योंकि हम हिंदुओं में महिमा 'गद्दी' की है विचार की नहीं! 'गद्दी' याकि 'आसन' जो होता है उस पर कोई भी बैठे वही फिर सर्वज्ञ है, देवज्ञ है। तब दिमाग और विचारने की भला क्या जरूरत। गद्दी 'प्रधानमंत्री' की हो या मुख्यमंत्री, पीठ या मठ विशेष की। या फिर कोलकत्ता के कपड़ा बाजार में दुकानदार या औद्योगिक घराने की 'गद्दी'। जो भी गद्दी पर बैठा वह 'गद्दी' की विरासत, शक्ति, दिमाग से ईश्वर और मालिक बना होता है। 'गद्दी' की वाणी ही तब व्यक्ति के मुंह से सुनाई देगी।

इसलिए गुजरे सप्ताह जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर के संघ मुख्यालय गए, मोहन भागवत से सीधे मुलाकात की तो चर्चा स्वभाविक थी कि प्रधानमंत्री की गद्दी पर विराजमान नरेंद्र मोदी और आरएसएस की गद्दी के प्रमुख मोहन भागवत में क्या बात, क्या विचार हुआ? ध्यान रहे प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी यों तीन-चार दफा नागपुर गए है लेकिन वे कभी संघ मुख्यालय नहीं गए। पहली बार वे माधव नेत्रालय के प्रीमियर सेंटर की आधारशिला के कार्यक्रम के बहाने संघ मुख्यालय गए। मेरा मानना है ऐसा होना नरेंद्र मोदी के शुकराचार्य महाराज सुरेश सोनी के समझाने से हुआ होगा।

आखिर प्रधानमंत्री का एक साल और पूरा होने को है। उन्हे पार्टी का नया अध्यक्ष तय करना है। तो उससे पहले औपचारिकता के ही खातिर मैसेज बनना चाहिए कि वे तो संघ के ही है। उनका फैसला संघ का फैसला। सो अब वे किसी को भी अध्यक्ष बनाएंगे तो सभी मानेंगे मोहन भागवत से पूछकर किया होगा।

फालतू की बाते है। नरेंद्र मोदी एकमेव वैसे ही आज सर्वेश्वर है जैसे नेहरू प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस संगठन और गांधी के आईडिया के परम पितामह थे। मैं इन दिनों भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का इतिहास खगाल रहा हूं। और सत्व-तत्व यही निकलता है कि हिंदुओं की नियति है सत्ता की अधीनता।

तभी नेहरू ज्योंहि अंतरिम प्रधानमंत्री बने, सरदार पटेल उनके गृहमंत्री हुए तो उस समय का रिकार्ड है कि दोनों ने गांधी की अनसुनी की। 1947 से पहले ही गांधी के डायलाग थे ङ्क मैं वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व को चुनौती नहीं दे सकता। मैं क्या कर सकता हूँ? आदि, आदि।

इसलिए अटलबिहारी वाजपेयी की 'गद्दी' की सर्वज्ञता के आगे कभी सुदर्शन बेबस थे तो सत्ता की 'गद्दी' पर विराजमान लाइव सर्वज्ञ नरेंद्र मोदी के आगे भला क्या तो मोहन भागवत और क्या 140 करोड़ लोगों का दिमाग।

एक समय में एक ही भगवान अवतरित होते है

इस मामले में जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी में सचमुच कोई फर्क नहीं है। नेहरू ने भी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अपनी सर्वज्ञता में भारत को विश्वगुरू, समाजवादी, निर्गुट-तटस्थ, दुनिया को रास्ता बतलाया था। अब नरेंद्र मोदी भारत को विश्वगुरू बना चुके है। विकसित बना देंगे। नेहरू के सामने भी चीन का संकट था, गरीबी-बेरोजगारी का संकट था, भूखमरी के आगे राशन के फार्मूले थे अब आबादी की संख्या और भूख तथा बेरोजगारी के नए रूप है।

तो उनके रामबाण समाधान में हिंदू बनाम मुस्लिम झगड़ा और रेवडियां है ताकि लोग बहके रहे। सोचना बंद रखें।

सदियों पुराना इतिहास है कि हम हिंदू 'गद्दी' पर बैठे राजा, संत, सेठ, हाकिम के आगे हमेशा समर्पित रहते आए है। भक्ति में रहते है। खौफ में रहते है। दोनों तरफ दिमाग और उसका सोचना-विचारना संभव ही नहीं है। जिसकी जितनी बड़ी गद्दी उस पर बैठे व्यक्ति की उतनी बड़ी 'लाइव' उपस्थिति और महानता।

इसलिए इन बातों का अर्थ नहीं है कि प्रधानमंत्री ने संघ की तारीफ में क्या-क्या कहां, कब-कब कहां? और संघ उन पर कितना फिदा हुआ। हर फैसला नरेंद्र मोदी का है। पार्टी अध्यक्ष भी केवल उनके टिक से वैसे ही बनेगा जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या मंत्री होते है।

सत्ता की प्रधानमंत्री 'गद्दी' के आगे भारत सदैव एक भाव में रहेगा। न इधर विचार और हिम्मत संभव है और न उधर। सारी माया कुर्सी की, गद्दी की। उस नाते हमारी उपलब्धि इतनी भर है कि 1947 से जैसे भी हो दिल्ली का तख्त, उसकी 'गद्दी' पर हिंदुओं के आने-जाने का सिलसिला बना हुआ है।

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

पार्षद ने किया हमर क्लीनिक का लोकार्पण

दुर्ग। तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की योजना के तहत मरार पर वार्ड क्रमांक 5 में हमर क्लिनिक के निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई थी। इसके लिए तत्कालीन पूर्व विधायक अरुण बोरा के द्वारा भूमि पूजन किया गया था। बिल्डिंग पूर्ण होने के पश्चात शनिवार को हमर क्लीनिक का उद्घाटन पार्षद विजयंत पटेल के द्वारा मोहल्लेवासी व हॉस्पिटल स्टाफकी उपस्थिति में किया गया। हमर क्लिनिक बनने से शीतला नगर, गिरधारी नगर गया नगर, मठपारा, बैगा पारा ,गोवर्धन चौक, मरारपारा, शिक्षक नगर के लगभग छह वार्ड के निवासियों को इसका लाभ मिलेगा। हमर क्लीनिक के उद्घाटन के अवसर पर शहरी आरोग्य मंदिर के समस्त कर्मचारी, डॉक्टर व अधिकारीगण के अलावा मोहल्ले के नागरिकगण राजू पटेल पूर्व पार्षद, रवि शंकर दुबे ,शत्रुघ्न गुरु, नरेश सोनी ,श्यामलाल पटेल, धनु यादव ,दिनेश यादव, सोनू महाराज ,सुरेश गुप्ता ,रवि सोनी, विजय ताम्रकार ,कन्हैया मानिकपुरी ,सरस्वती यादव, अनीता कमला सहित मोहल्ले के नागरिकगण उपस्थित थे।

टाउनशिप में जलापूर्ति के समय विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के अंतर्गत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग के रखरखाव और क्षेत्रीय कार्यालयों में गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान के मद्देनजर कम पानी और कम लाइन प्रेषर की शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। लोगों द्वारा अतिरिक्त पानी इकट्ठा करने के लिए टुल्लू पंप का इस्तेमाल पानी की इस समस्या का कारण है। इस परिस्थिति को देखते हुए पीएचई विभाग ने जलापूर्ति के समय विद्युत आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया है ताकि टाउनशिप के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो पाएं। जलापूर्ति के समय निम्नलिखित क्षेत्रों में बिजली कटौती की जा रही है:– सेक्टर–7 में सुबह 7:00 से 7:40 बजे तथा सेक्टर–10 में सुबह 6:30 से 7:15 बजे। टाउनषिप के अन्य सेक्टरों में भी आगामी दिनों में निर्धारित समयानुसार विद्युत आपूर्ति बंद की जाएगी। भिलाई इस्पात संयंत्र के जलाशयों में उपयुक्त मात्रा में पानी भंडारण की कमी के कारण भिलाई टाउनशिप में एक टाइम ही पेयजल प्रदान किया जा रहा है। सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किए गए फेरबदल में सहयोग करते हुए जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें एवं जल की खपत को कम करने हेतु अपना सहयोग दें। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग ने प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

सेल-बीएसपी द्वारा चलाया जा रहा भिलाई टाउनशिप में सड़कों के उन्नयन एवं ट्रैफिक प्रबंधन के लिए व्यापक अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सार्वजनिक सुविधा में वृद्धि तथा सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग (टी एस डी) द्वारा भिलाई टाउनशिप में बड़े पैमाने पर सड़क चैड़ीकरण, रीकार्पेटिंग तथा ट्रैफिक्र चैराहों के सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि टाउनशिप क्षेत्र में लगभग 580 किलोमीटर लंबी सड़कों के रख–रखाव का उत्तरदायित्व टीएसडी के पास है। वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान ही विभाग द्वारा लगभग 2 लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल की सड़कों की रीकार्पेटिंग की गयी है। यह सतत् अधोसंरचना अभियान न केवल सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करने हेतु उद्देशित है, बल्कि क्षतिग्रस्त या जर्जर सड़कों के कारण उत्पन्न होने वाली दुर्घटनाओं की संभावनाओं को भी न्यूनतम करने की दिशा में लक्षित है।

इस अभियान के अंतर्गत जिन प्रमुख सड़कों पर कार्य प्रगति पर है, उनमें मरोदा से रूआबांधा तक की सड़क शामिल है, जहाँ सड़क चैड़ीकरण और मरम्मत का कार्य चल रहा है, जबकि मैत्री बाग क्षेत्र की सड़कों का कार्य पहले ही पूर्ण किया जा चुका है। डीपीएस भिलाई के पास से होती हुयी रुआबाँधा, रिसाली व मरोदा क्षेत्रों को आपस में जोड़ने वाली लगभग 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क जिसका उपयोग बड़ी संख्या में सयंत्रकर्मी भी विशेषकर प्लांट आवागमन हेतु उपयोग करते है,इस महत्वपूर्ण मार्ग के रीकार्पेटिंग का कार्य भी द्रुत गति से जारी है।टाउनशिप भवन (टी ए बिल्डिंग) से कला मंदिर तक की सड़क के चैड़ीकरण का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है, जिससे दैनिक यात्रियों को सुविधा हो रही है। पूर्व में सेक्टर–8 स्थित स्टील क्लब के समीप सड़क उन्नयन कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, जो विभागीय योजनाओं की क्रमिक प्रगति को दर्शाता है। इसी क्रम में फ्लाईओवर के सामने एक नया ट्रैफिक्र स्क्वायर निर्मित किया जा रहा है, जिसे शहर के अन्य प्रमुख चैक–चैराहों की संरचना के अनुरूप सौंदर्यपूर्ण एवं व्यावहारिक रूप से समायोजित किया जा रहा है।

भिलाई टाउनशिप मार्गों की प्रमुख जीवन रेखा माने जाने वाले पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग (सेंट्रल एवेन्यू) के माध्यम से टाउनशिप का संयंत्र से सीधा संपर्क स्थापित होता है। इस मार्ग की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए बीएसपी प्रबंधन द्वारा यहाँ उन्नत ट्रैफिक्र प्रबंधन उपाय अपनाए जा रहे हैं। इसके तहत इस सड़क पर ट्रैफिक्र सर्विलांस कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिससे यातायात नियंत्रण तथा सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार अपेक्षित है।

इसके साथ ही टाउन सर्विसेज विभाग द्वारा टाउनशिप में स्थित ट्रैफिक्र चैराहों के पुनः डिज़ाइन तथा सौंदर्यीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। कई प्रमुख चैराहों पर रेडियस को 1.5 मीटर तक कम किया गया है, जिससे वाहन गति का प्रवाह नियंत्रित हो और दुर्घटनाओं की संभावना घटे। यह बदलाव विशेषतः अत्यधिक ट्रैफिक्र वाले जंक्शनों पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है।

चूँकि संयंत्र क्षेत्र में भारी वाहनों की नियमित आवाजाही होती है, इसलिए संबंधित सड़कों पर तेजी से क्षरण होता है। इस समस्या से निपटने के लिए उच्च ट्रैफिक्र जंक्शनों के आसपास की सड़कों पर डबल रिकर्पेटिंग तथा स्पष्ट लेन मार्किंग की नीति अपनाई गई है। ये कार्य संयंत्र की शिफ्ट समय सारिणी के अनुसार गैर–पीक घंटों में सम्पन्न किए जा रहे हैं, जिससे यातायात में बाधा न आए तथा सुरक्षा भी बनी रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा अधोसंरचना विकास में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है, जिसमें सड़क व ट्रैफिक्र संबंधी कार्यों को सार्वजनिक सुविधा, दुर्घटना–निवारण तथा दीर्घकालिक स्थायित्व को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वित किया जा रहा है। टाउनशिप तथा आसपास के क्षेत्रों में तेज़ी से हो रहे शहरीकरण और दोपहिया–चारपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या के मद्देनज़र, लापरवाह ड्राइविंग और यातायात भीड़ जैसे विषयों का समाधान नवाचार, सुव्यवस्थित योजना तथा सुदृढ़ सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से किया जा रहा है।

बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दुर्ग में सेवा की ऐतहासिक मिशाल कायम की जन समर्पण सेवा संस्था ने

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इस भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। गर्मी में मानव हो या फ़िर पशु–पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह–जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है और व्यवस्था न होने पर वे अपनी जबान से मांगकर पानी पी सकते है क्योकि मानव बोल सकता है लेकिन पशु पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है, क्योकि वे तो बेजुबान होते है। किसी को अपनी प्यास या भूख के लिए बता भी नही सकते ऐसे में लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पशुपक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पशु पंछियों को राहत मिल सके। घरों की छत और बाड़ी में पक्षियों की संख्या बढ़ गई है। पर्यावरणविदों की माने तो बहुत से ऐसे पक्षी है जिन्हें मौसम रास आने लगा है।

लगातार रिकार्ड तोड़ गर्मी के इस कोहराम से पशु पक्षी का जीवन खतरों से गुजर रहा है। इसमें मुख्य रूप से वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण और जल प्रदूषण पर पूर्ण रूप से काबू नहीं पा रहे है। दिन को जल गर्म हो जाता है जिसे पक्षी ग्रहण नहीं कर पाते। नदी तालाबों का जल निर्मल एवं कंचन हो जाता है।

इस भीषण गर्मी में जन समर्पण सेवा संस्था जो विगत कई वर्षो से जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन एवं उनके जरूरत की सभी सामग्री निःशुल्क वितरण करती है, संस्था को बिना रुके बिना किसी दिन नागा किये 3000 दिवस पूर्ण होने के अवसर पर संस्था द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पशु–पक्षियों के लिए भी दाना–पानी का इंतजाम करने का अभियान शुरू कर दिया। यह अभियान पूरे शहर में सेवा कार्यों में सबसे बड़ी मिसाल कायम करते हुए पूरे शहर के वार्डों में गौ माता एवं अन्य पशुओं के लिए सीमेंट से बना कोटना एवं घरों की छत में पक्षियों के दाना पानी रखने के लिए सकोरे का वितरण किया गया घरों घर चलाया जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने कहा कि पानी अनमोल है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है। दिनों दिन बढ़ती गर्मी के चलते आज बेजुबान पशु–पक्षियों के समक्ष दाना और पानी की समस्या आ गई है। हम इंसान को भूख और प्यास की तड़प व्याकुल कर देती है, तब यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेजुबान पशु–पक्षियों की क्या हालत होती होगी। उन्होंने कहा कि गर्मी के चार महीने हम उनके लिए अपने घर और आसपास दाना–पानी की व्यवस्था कर दें, तो इससे बड़ा पुण्य का और कोई दूसरा काम नहीं होगा।

इस भीषण गर्मी में आम जनता और राहगीर प्रभावित हो रहे है,ऐसे में मूक पशु पक्षी दाना पानी के लिए परेशान हैं। इस साल संस्था द्वारा पूरे शहर के हर वार्ड में रखने के कोटना एवं घरों के लिए सकोरे का वितरण आज दुर्ग के पुराना बस स्टैंड में किया गया संस्था द्वारा शहर के सभी पार्षदों को इस आयोजन में आमन्त्रित किया गया। संस्था द्वारा पूर्व से सभी पार्षदों को उनके वार्ड के लिए कोटना एवं सकोरे की बात संस्था द्वारा की गयी थी। आज सुबह 9 बजे से ही पूरे शहर के नागरिक अपने घर परिवार एवं आस पास में रखने के लिए कोटना सकोरे लेने पुराना बस स्टैंड पहुँच गए थे, संस्था द्वारा वितरण का कार्यक्रम 12 बजे से रखा गया है, 12 बजते ही शहर के लगभग सभी पार्षद पशु पक्षियों की सेवा में ततपरता दिखाते हुए कार्यक्रम स्थल पहुँच गए, संस्था द्वारा सभी पार्षदों की उनके वार्ड वार कोटना एवं सकोरे का वितरण किया गया, शहर में पहली बार ऐसा देखने को मिला कि इतनी संख्या में जन समपर्ण सेवा संस्था के साथ आम नागरिक एवं पार्षद पशु पक्षियों की सेवा के लिए आगे आये। संस्था द्वारा पुराना बस स्टैंड में 430 नग सीमेंट का कोटना एवं 4400 सकोरे का वितरण किया गया जो कि पूरे शहर में पशु पक्षियों की सेवा के लिए सबसे बड़ी एवं ऐतहासिक मिसाल बन गया।

चिलचिलाती धूप में लोगो के घर जाकर दी दस्तक

सुशासन तिहार के आवेदनों का त्वरित निराकरण से जनता खुश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के माध्यम से नगरवासियों के लिए संवाद से समाधान की पहल की है। तीन चरणों में आयोजित सुशासन तिहार अपने दूसरे चरण में पहुंच चुका है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर लोगों से मिले आवेदनों का मिशन मोड में चिलचिलाती धूप के बीच सुशासन तिहार के तहत निगम अधिकारी कर्मचारी लोगो के घरों में दस्तक देकर आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर रहे है।

वार्ड क्रमांक 51 के श्रीमती चंचला नायक के आवेदन का निराकरण किया गया। इसका तत्काल निराकरण किया गया एवं वार्ड 51,52 में शीतला नगर, पंचशील नगर, सेक्टर,अमित सड़क मारुति हाइट्स के पास नया लाइट लगाया गया। स्ट्रीट लाइट से सड़क हुए जगमग। निगम अधिकारी/कर्मचारी जब आवेदक के घरों में जाकर आवेदनों की जांच कर कार्रवाही कर मौके पर निराकरण कर रहे जिससे सकारात्मक फीडबैक और नागरिकों के चेहरे पर उभरी संतुष्टि और खुशी इस बात का संकेत है। नरेंद्र वैष्णव शंकर नगर दुर्ग निवासी जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु आवेदन किया था निरीक्षण दौरान पात्र पाया गया। दस्तावेज जमा करने के लिए आवेदक से कहा गया। इसके बाद आवंटन किया जाएगा। मौके पर आवेदक को संतुष्टि प्रमाण पत्र दिया गया।

निगम अधिकारियों द्वारा स्थल का मौका मुआयना कर निरीक्षण किया गया, जिसका उचित गुणवता पूर्वक समाधान/निष्पादन किया गया, निगम के अधिकारियों द्वारा नूतन देवांगन पति लोमेश देवांगन वार्ड 44 कसारीडीह दुर्ग निवासी जो किराए के मकान पर लगभग 8 वर्ष से रह रहे हैं। जिनके पास ना जमीन है ना मकान जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना बनाया मकान लेने हेतु सुशासन तिहार में अपनी इच्छा जाहिर की थी। तत्काल निराकरण कर हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना का फॉर्म प्रदान किया गया, आवश्यक दस्तावेज जमा करने हेतु उचित मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही संतुष्टि प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस आयोजन के लिए वार्ड के नागरिको ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहते है मेरे आवेदनों का निराकरण घर बैठे किया गया।बोरसी के राकेश कुमार व अन्य ने सुशासन तिहार के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस पहल ने आमजन के लिए संवाद से समाधान की नए रास्ते खुल दिए है।

विकास कार्यों को लेकर विधायक गजेन्द्र यादव ने ली समीक्षा बैठक

शासन से स्वीकृत कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य शासन लोक निमार्ण विभाग द्वारा 2024–25 में स्वीकृत विकास कार्यों को लेकर विधायक गजेन्द्र यादव ने समीक्षा बैठक ली। लोक निर्माण विभाग के अधिकारीयों व अभियंताओ को भूमिपूजन पश्चात निर्माण कार्य का फीडबैक लेकर समयसीमा में पूर्ण करने निर्देश दिए। साथ ही वर्ष 2025–26 में शासन से स्वीकृत हुए कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने निर्देश दिए ताकी जनता को उनके सौगात समर्पित किया जा सके।

राज्य शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जनता के मांग के अनुरूप शहर विधायक गजेन्द्र यादव द्वारा शासन से स्वीकृत कराये गए कार्य जिसे वित्तीय वर्ष 2024–25 में पूर्ण करना है उन विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक लिए। विकास कार्यों के निर्माण संबंधी आने वाले विभिन्न प्रकार के बाधाओं एवं समस्याओं का निराकरण करने अभियंताओं से बिंदुवार हेतु चर्चा किये। बैठक में विकास कार्यों को यथाशीघ्र समय सीमा में पूर्ण करने तथा सड़क के नवनिर्माण तथा चौड़ीकरन में सर्वे में प्रभावित और मुआवजा राशि संबंधी जानकारी लिए। वित्तीय वर्ष 2024–25 में स्वीकृत सभी कार्य को गुणवत्ता के साथ पूरा करने तथा वर्ष 2025– 26 के बजट में शामिल विकास कार्यों को प्रारंभ लेआउट और स्थल को लेकर चर्चा किए।

विधायक गजेन्द्र यादव ने बैठक में विभागीय अधिकारियों से कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग शहर के विभिन्न सड़कों के चौड़ीकरण, नवनिर्माण के लिए राशि जारी की है, ताकि शहर की जनता की सुविधाओं को बढ़ाने के साथ ही शहर में बढ़ते हैवी ट्रैफिक्र की समस्या को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा सड़क निर्माण दौरान आने वाले कठिनाईयों को चिन्हित कर सड़क चौड़ीकरन के दौरान प्रभावित होने वाले मकान के मुआवजा राशि का शीघ्र निराकरण करने कहा बैठक में पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं को वर्ष 2025– 26 के बजट में शामिल विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने कहा। सभी विभाग के साथ सामंजस्य बनाकर कार्य को जल्द ही पूरा करने कहा। जनता की सहूलियत के लिए बनने वाले सड़क, भवन व अन्य निर्माण शीघ्र पूर्ण हो जिससे जनता को सरकार की ओर से मिलने वाले सौगात को समय पर समर्पित किया जा सके। बैठक में जिला पंजीयक एवं उपपंजीयक भवन, महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण, संभाग मुख्यलायल में ऑडिटोरियम निर्माण, पीडब्ल्यूडी का कार्यालय भवन, दुर्ग आईटीआई का उन्नयन कार्य, न्यायिक अधिकारियों के आवास में बाउंड्री निर्माण, स्कूल भवन निर्माण, सड़क चैड़ीकरण, चंडी मंदिर से नयापारा मार्ग का चौड़ीकरन एवं पुनर्निर्माण कार्य, जेल तिराहा से मिनीमाता चैक तक यूटिलिटी शिफ्टिंग कार्य, महाराजा चैक से बोरसी तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्य, दुर्ग धमधा बेमेतरा अंडर ब्रिज से अग्रसेन चैक दुर्ग तक फोरलेन मार्ग के निर्माण सहित अन्य कार्यों पर चर्चा की गई।

बैठक में बैठक में पीडब्लूडी के ईई आशीष भट्टाचार्य, एसडीओ सीएस ओगरे, अभिषेक मेश्राम, सेतु एसडीओ टीएन संतोष, सहायक अभियंता अनिल अग्रवाल, हितेश दुलानी, गगन जैन, राकेश वर्मा, शबनम निशा, लीलाधर साहू, उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

प्लास्टिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने राज्य के सभी कलेक्टरों को सांसद ने लिखा पत्र

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य के सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि राज्य के युवाओं के लिए प्लास्टिक प्रौद्योगिकी, प्रोसेसिंग, मोल्ड डिजाइन परीक्षण को लेकर सिपेट रायपुर द्वारा डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इस कोर्स की जानकारी अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि सिपेट रायपुर जो कि भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान है। वर्ष 2015 में छत्तीसगढ़ शासन एवं केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयास से रायपुर के भनपुरी औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया गया था। यह संस्थान युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान कर उन्हें प्लास्टिक उद्योग के क्षेत्र में शत-प्रतिशत रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है, लिहाजा कलेक्टर अपने-अपने जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों में सिपेट रायपुर के पाठ्यक्रमों की जानकारी पहुचाएं और छात्रों को इसकी जानकारी दी जाए, जिससे वे तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर देश की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकें।

विप्र स्वास्थ्य सेवा संगठन का कल कोटा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रायपुर। बदलते मौसम से पड़ रही भीषण गर्मी और वायरल के प्रकोप को देखते हुए विप्र स्वास्थ्य समाजसेवी संगठन के द्वारा रविवार को कोटा के मस्जिद प्रांगण में 10 से 3 बजे तक एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश दिवान ने बताया कि गर्मी की आहट के साथ चिकनपोक्स, पीलिया और विभिन्न वायरस जनित बीमारियों का सिलसिला शुरू हो जाता है। इसके मद्देनजर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें समस्याओं की जांच और उपचार किया जाएगा। नागरिकों को मुफ्त दवाइयां, पेयजल और गर्मी से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। खास तौर पर बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इनसे सुरक्षित रखने के लिए होमियोपैथी की दवाएं और आयरन की दवा निशुल्क रूप से वितरित की जायेगी।

शिविर के दौरान संगठन अध्यक्ष डॉ सतीश दीवान के साथ डॉ समीर सोनकर, डॉ सौम्या अग्रवाल, डॉ ज़िया फातिमा, डॉ नालंदा रामटेके, डॉ सारिका श्रीवात्सव, डॉ नेहा अग्रवाल, डा दिनेश तिवारी, डॉ सुशील बागड़े, साई बाबा हॉस्पिटल की मेडिकल टीम, श्रीमती मिथिलेश रिछारिया, लीना गौराहा, सैय्यद फारुख, रितेश यादव अपनी सेवाएं देंगे।

अन्य राज्यों के डॉक्टरों की राजधानी में प्रैक्टिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने लगाई रोक

रायपुर। रायपुर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने गत 11 अप्रैल 2025 को एक परिपत्र जारी कर अन्य राज्यों के डॉक्टरों की राजधानी में प्रैक्टिस पर रोक लगा दी है। उन्होंने राजधानी के अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों की जानकारी भी मांगी है। साथ ही स्पष्ट कहा कि जो डॉक्टर छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद से पंजीकृत नहीं हैं, ऐसे डॉक्टरों द्वारा ओपीडी और चिकित्सकीय कार्य नर्सिंग होम एक्ट व छत्तीसगढ़ आयुविज्ञान परिषद के नियमों का उल्लंघन है।

सीएमओ रायपुर ने अस्पताल संचालकों को भेजे पत्र में स्पष्ट लिखा कि छत्तीसगढ़ में बिना पंजीकृत अन्य राज्यों के डॉक्टर होटल या अन्य जगहों में चिकित्सकीय कार्य कर रहे हैं। इन चिकित्सकों का छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद में पंजीयन कराना एवं नर्सिंग होम एक्ट का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि अन्य राज्य के चिकित्सकों द्वारा छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद एवं नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की अनुशंसा छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा की गई है। किसी भी चिकित्सक द्वारा उक्त कार्य करते पाए जाने पर एवं ऐसे अस्पताल जो बिना पंजीकृत चिकित्सकों को अपने अस्पताल में चिकित्सकीय कार्य ओपीडी की सेवा के लिए नियुक्त करते हैं, तो उन पर भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। सीएमओ रायपुर ने रायपुर जिले में संचालित समस्त निजी अस्पताल नर्सिंग होम, मैटरनिटी होम में कार्यरत समस्त चिकित्सकों के छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर में पंजीयन की जानकारी भी मांगी है।

राष्ट्रीय पैथोलॉजी दिवस पर आयोजित हुई शैक्षणिक प्रतियोगिताएं

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के पैथोलॉजी में एआई की भूमिका पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के पैथोलॉजी विभाग द्वारा नेशनल पैथोलॉजी डे का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया गया। इस अवसर पर स्नातक छात्रों के लिए पैथोलॉजी क्विज का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नवीनतम विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पैथोलॉजी पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने पैथोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के फायदे एवं नुकसान के बारे में अपने विचार व्यक्त किये।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन अधिष्ठाता महासमुंद डॉ. रेणुका गहिने, विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द नेरल एवं प्रोफेसर डॉ.

राबिया परवीन सिद्दीकी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. रेणुका गहिने को सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पैथोलॉजिकल डायग्नोसिस विषय के बारे में विस्तार से बताया। विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ. अरविंद नेरल ने पैथोलॉजी के विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका के बारे में बताया साथ ही इस बात पर जोर दिया कि बिना पैथोलॉजिस्ट के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा सही एवं सटीक जानकारी संभव नहीं है।

उन्होंने यह भी बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी का उपयोग करके नई बीमारियों की कम समय एवं कम श्रम शक्ति में बेहतर तरीके से जांच की जा सकती है। वाद-विवाद प्रतियोगिता के बाद डॉ. राबिया परवीन सिद्दीकी ने प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पैथोलॉजी के विषय के दोनों पहलुओं के बारे में समझाया तथा उनकी जिज्ञासा का समाधान किया। डॉ. पुष्कर चौधरी ने भी इस विषय पर एक सुंदर विवेचना प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सूदित पाल द्वारा किया गया। इस आयोजन में वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉ. चंद्रकला जोशी, डॉ. वर्षा पांडे एवं डॉ. अमित भारद्वाज ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। साथ ही अन्य पैथोलॉजिस्ट डॉ. विकास बाम्बेश्वर, डॉ. रिती शर्मा, डॉ. रुचि वर्मा, डॉ. कस्तूरी मंगरुलकर, डॉ. अनुभव चंद्राकर, डॉ. सरोज कुमारी, डॉ. अविरल मिश्रा, डॉ. मेघा वर्मा, डॉ. सोनल चंद्राकर, डॉ. रवीना यादव, डॉ. के. लीना एवं डॉ. संध्या यादव ने भी कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान दिया। इस कार्यक्रम में स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं एवं विजेता स्नातक छात्र भी मौजूद रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम डॉ. नेहा चौधरी, द्वितीय डॉ. अमित बंजारा एवं तृतीय स्थान पर डॉ. बबिता रही।

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की कार्यशाला में पार्षदों को दी गई स्वास्थ्य योजनाओं की ट्रेनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों की लोकस्वास्थ्य सेवाओं में जनभागीदारी एवं सुदृढीकरण हेतु एक दिवसीय संवेदीकरण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन स्थानीय होटल बेबीलॉन केपीटल में रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे सम्मिलित हुई एवं अध्यक्षता नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने की। विशेष अतिथि के रूप में रायपुर के मुख्य स्वास्थ्य एवं विकित्सा अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी की उपस्थिति रही। एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षों, पार्षदों जोन कमिश्नरों, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी कार्यालय रायपुर के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजन संपन्न हुआ। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने दीप प्रज्जवलन कर रायपुर नगर निगम के पार्षदों की उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ किया।

स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का कियान्वयन रायपुर शहर के लिये काफी अच्छा है। सभी पार्षदों को इसमें आगे आकर नागरिको को जागरूक करने सहभागी अवश्य बनना चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेस चौधरी ने राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और सभी पार्षदों से स्वास्थ्य योजनाओं को राज्य शासन की मंशा अनुसार जन-जन तक पहुंचाने राजधानी शहर में सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की अपील की। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी पार्षदों से रायपुर शहर की जनता को स्वास्थ्य योजनाओं का वांछित लाभ दिलवाने जागरूक करने की अपील की। महापौर ने पार्षदों से राजधानी शहर रायपुर की सभी मलीन बस्तियों के रहवासियों को जागरूक बनाने पर फोकस करने का आव्हान किया। महापौर ने स्वास्थ्य शिविरों को रायपुर में सफल बनाने मितानिनों के सक्रिय योगदान की सराहना की। उन्होने कहा कि शहरी क्षेत्र के गरीब लोगो को स्वास्थ्य अच्छा रहे यह कार्य मितानिने बहुत अच्छी तरह कर रही है।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने पार्षदों से अपील की कि रायपुर शहर में कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सुविधा से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए रायपुर नगर निगम द्वारा स्वास्थ्य विभाग के साथ सामंजस्य बनाकर कार्य किया जायेगा। पार्षदगण स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की जानकारी आमजनता को देकर उन्हें जागरूक बनाने का कार्य शहर में करें। नागरिको को शहर में स्वास्थ्य की समी सुविधाएं मिलेंगी और वे स्वास्थ्य के प्रति जागरुक बनेंगे तो रायपुर शहर को स्वच्छ सुन्दर स्वस्थ, विकसित हरित शहर बनाने में आगे आकर सक्रिय सहभागिता अवश्य दर्ज करायेंगे।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के कार्यशाला आयोजन में स्वास्थ्य जांच स्टॉल पर जाकर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करवायी। कार्यशाला में पार्षदों को आयुष्मान योजना स्वास्थ्य स्मार्ट कार्ड की जानकारी दी गई। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये राशन कार्ड में नाम होने एवं आधार कार्ड अपडेट होने की अनिवार्य शर्त की जानकारी दी गई। इस हेतु अपना-अपने परिवारजनों या किसी भी नागरिक का मोबाईल एप के माध्यम से आयुष्मान कार्ड बनाने की सरल प्रक्रियाओ की जानकारी दी गई। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अविनाश चतुर्वेदी ने टीबी के संबंध में लक्षणों, कारणों एवं निदान की जानकारी पार्षदों को दी और पार्षदों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के जवाब दिये। जिला मलेरियो अधिकारी ने पार्षदों को डेंगू मलेरिया के लक्षणों, कारणों, व बचाव की जानकारी दी। उन्होने बताया कि विगत 3 वर्षों से रायपुर में एक भी मलेरिया का मरीज सामने नहीं आया है इस कारण नियमानुसार रायपुर को मलेरिया मुक्त घोषित करने की प्रशासनिक तैयारी शीघ्र की जा रही है।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि डेंगू एक वायरल बुखार है जो एडिस नामक मादा मच्छर के काटने से होता है। एडिस मच्छर ठहरे हुए साफ पानी में पनपता है। गर्मी में कुलरो का उपयोग करने और कुलरों में साफपानी भरे रहने से उसमें एडिस मच्छर पनपने की प्रबल आशंका रहती है। इसलिए कुलरों से पानी इसे उपयोग करने वाले खाली कर दे अन्यथा हर सप्ताह अनिवार्य रूप से कुलरो को साफकर पानी बदल दे। डेंगू घरों एवं आस पास के क्षेत्र के परिवेश पर अधिक निर्भर करता है। इसलिए अपने घरो एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता कायम रखे, स्वच्छ वातावरण रखने भागीदार बने। उन्होंने पार्षदों से डेंगू को लेकर जनता को जागरूक बनाने का कार्य करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में पृथक डेंगू वार्ड बनाया जाता है। डेंगू की पुष्टि करने एलाईजा टेस्ट करवाना आवश्यक होता है। इसके बाद ही डेंगू रोग की पुष्टि होती है। डेंगू का उपचार इसका वायरल बुखार आने पर हमेशा शासकीय चिकित्सालयों में ही करवाना चाहिए। खाना खाने के पूर्व और शौच करने के बाद हाथ को अच्छी तरह हैण्डवॉश करके धोना चाहिए। उन्होने एंटी लार्वा डेंगू को लेकर पार्षदों की शंकाओं का शमन किया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम में पार्षदों को कुष्ट उन्मुलन अभियान, परिवार नियोजन कार्यक्रम, मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम हर माह की 15 तारीख को आयोजित होने वाले सुग्घर महतारी दिवस, टीकाकरण अभियान के विभिन्न स्वरूपों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी रायपुर कार्यालय के चिकित्सको द्वारा सभी वार्ड पार्षदों को दी गई।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने महापौर श्रीमती मीनल चौबे एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षों, पार्षदों के साथ ग्रुप फोटो खींचवायी एवं राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यशाला में सम्मिलित होने पर सीएमएचओ डॉ. मिथलेश चौधरी ने महापौर श्रीमती मीनल चौबे, एमआईसी सदस्य श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, दीपक जायसवाल, महेन्द्र खोडियार, अमर गिदवानी, नंदकिशोर साहू, भोलाराम साहू, श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, डॉ. अनामिका सिंह, खेम कुमार सेन, अवतार भारती बागल, संतोष सीमा साहू जोन अध्यक्ष गज्जू साहू, श्रीमती साधना प्रमोद साहू, अम्बर अग्रवाल, बद्री प्रसाद गुप्ता, प्रीतम सिंह ठाकुर, गोपेश साहू, सचिन बी मेधानी, पार्षदों को स्मृति चिन्ह प्रदत्त किये।

वन बंधु परिषद महिला समिति की वार्षिक आम सभा संपन्न

वर्षभर किए सेवा कार्यों की हुई समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा वार्षिक आम सभा का आयोजन वृंदावन हॉल सिविल लाइन में किया गया,उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत ओमकार दीप प्रज्वलन एवं एकल गीत से की गई, तत्पश्चात सभी प्रभारीयो ने अपना वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

इस दौरान मकर संक्रांति प्रभारी शताब्दी पांडे,उपाध्यक्ष अनीता खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष संगीता मिश्रा,महिला समिति अध्यक्ष कांता सिंघानिया, सचिव सरिता रेखानी, मीडिया प्रभारी कविता राठी, वनयात्रा प्रभारी राजश्री, सेवा पात्र प्रभारी शशि बागड़ी, महिला प्रवास प्रभारी शुभांगी आप्टे ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए समिति द्वारा भविष्य में अपनी सेवाएं अधिक बेहतर बनाने हेतु रणनीति तैयार कर कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

साथ ही पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में हुए सफल कार्यों की झलकियां साझा करते हुए अत्यधिक ऊर्जा के साथ निरंतर सेवारत रहने का विश्वास परिषद को दिलाया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रेखा अग्रवाल, संध्या गुप्ता, सुनीता लोहाटी, इंदु पटेल, सुषमा अग्रवाल, मीणा, रेणुका शर्मा, सुधा शर्मा, उमा चंद्रानी, रितु खंडेलवाल, रंजन मित्तल, मीरा अग्रवाल, पूजा जैन, आशा सोनी, प्रीति शर्मा, अर्चना अग्रवाल, सुचित्रा वर्धन, सविता सोनी, किरण अग्रवाल, सुमन अलका सिंघानिया, सत्यभामा अग्रवाल, सुशीला अवधिया, हर्षिता दीवान,पूजा छाबड़ा, श्रुति डहरिया, धर्मशिला गुप्ता, माला लामा, शशि कला सोनी, मंजू जैन, शैल यदु, पुष्पा साहू, पुष्पावती, मधु मित्तल, बलिंदर कौर, संध्या साहू, राखी शाह उपस्थित थे। वही मंच संचालन सविता गुप्ता द्वारा किया गया।

चक्रपाणि महाराज 22 को रायपुर में

रायपुर। संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज 22 अप्रैल को रायपुर आ रहे हैं। रायपुर में विश्राम कर 23 अप्रैल को सुबह 6 बजे सरगांव खम्हारडीह स्थित श्रीचक्र माहमेरु पीठ के लिए प्रस्थान करेंगे। पीठ के संस्थापक स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ के नेतृत्व में श्री राजराजेश्वरी मंदिर का भूमिपूजन सुबह 9 शुरू होगा।

यह जानकारी महासभा के प्रदेश प्रवक्ता आचार्य रूपेश महाराज ने दी। इस मौके पर स्वामी के साथ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. स्वामी राजेश्वरानंद, कार्यकारी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ साध्वी सौम्या माता, उपाध्यक्ष आजीवन निराहार संत गौतम आनंद, अनिरुद्ध आचार्य महाराज वृंदावन, स्वामी विवेकानंद भारती, स्वामी विश्व आनंद तीर्थ महाराज, स्वामी उमेश आनंद गिरि, महेंद्र जूना अखाड़ा स्वामी, साध्वी सुमिरन माई व भैरव साधक आदि की उपस्थित रहेगी।

यादव ठेठवार समाज के वार्षिक अधिवेशन में नवनिर्वाचित 103 जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यादव ठेठवार समाज रायपुर राज का वार्षिक अधिवेशन महादेव घाट रायपुरा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्रीकृष्ण की आरती, एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। रायपुर राज के अध्यक्ष संतोष यदु ने अपने स्वागत भाषण में 17 राज पार से आए पदाधिकारियों एवं कुटुंभजनों का कार्यक्रम में हार्दिक अभिनंदन किया।

वार्षिक प्रतिवेदन रायपुर राज के महासचिव मनीराम यदु द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें समाज द्वारा वर्ष भर की गई गतिविधियों और महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विस्तृत विवरण दिया गया। इस गरिमामय आयोजन में यादव ठेठवार समाज के नवनिर्वाचित 103 जनप्रतिनिधियों को उनकी निष्ठापूर्ण सेवा और समाज के

विकास में सक्रिय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, रायपुर राज के अंतर्गत आने वाले सभी 17 राज पार के प्रतिनिधियों का भी सम्मान किया गया, जो समाज की एकता, अखंडता और प्रगति के आधार स्तंभ हैं।

कार्यक्रम का संचालन गजानंद यादव एवं शशिकांत यदु जी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने कुशल वक्तृत्व से सभी को बांधे रखा। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गुलेन्द्र यादव ने कहा कि समाज के युवा प्रकोष्ठ और महिला प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रचनात्मक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक बदलाव आता है और समाज की एकजुटता ही हमें अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देती है।

प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ललिता यदु ने महिला सशक्तिकरण और समाज में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष परमानंद यादव ने यादव समाज के समग्र विकास और उत्थान के लिए राजनीतिक क्षेत्र में अधिक से अधिक भागीदारी को अनिवार्य बताया। इसी क्रम में, प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के कर्मठ महासचिव नरोत्तम यदु ने एक सुदृढ़ कार्ययोजना बनाकर समाज से अधिकाधिक संख्या में इंजीनियर, शिक्षक, डॉक्टर और वकील जैसे प्रोफेशनलेश तैयार करने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु उपस्थित थे। उन्होंने समाज को संबोधित करते हुए यादव ठेठवार समाज भवन के निर्माण के लिए 5 लाख की उदार आर्थिक सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने समाज के जरूरतमंद बंधुओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए कान से कमजोर व्यक्तियों के लिए श्रवण यंत्र और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए ट्रायसाइकिल उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

मोहिनी डे संग अफेयर की अफवाहों के महीनों बाद संगीतकार एआर रहमान का छलका दर्द

दिग्गज संगीतकार एआर रहमान अपने म्यूजिक कंसर्ट 'वंडरमेंट' की तैयारी में बिजी हैं। वे बीते दिनों अपनी निजी जिंदगी में आए उतार-चढ़ाव से परेशान थे। वे पत्नी सायरा बानो के साथ तलाक के चलते सुर्खियों में थे। अब सिंगर ने एक बातचीत के दौरान बताया कि निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक सेहत पर कितना बुरा असर डालती हैं।

एआर रहमान ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में 'वंडरमेंट' टूर की तैयारी, संगीत में एआई के इस्तेमाल, अफवाहों और मानसिक सेहत पर पड़ने वाले असर को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि संगीत के लिए मन की खुशी कितनी जरूरी होती है। क्या आपके बारे में अफवाहें आप पर असर डालती हैं?' रहमान ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि अफवाहें असर डालती हैं और हर कलाकार उस हालात से गुजरता है। अफवाहें मानसिक सेहत पर बुरा असर डालती हैं। हालात में फंसे होने की वजह से वे दुखी होते हैं और उस हाल में भी उन्हें काम करना पड़ता है। उन्हें उस उस स्थिति में भी 'छैया छैया' या 'हम्मा हम्मा' जैसे गाने करने पड़ते हैं। सिंगर हो या कोई और, आप उस हालात में एक्टर की तरह बन जाते जाते हैं। आप अंदर से भले ही दुखी होते हैं, लेकिन आपको दिखाना होता है कि आप खुश हैं।'

बोले- 'हर कलाकार उस हालात से गुजरता है'

जिंदगी में बने रहते हैं उतार-चढ़ाव

एआर रहमान से पूछा गया कि जब उनके बारे में कुछ अफवाहें सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, 'ऐसी बातों से असर पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिंदगी का एक हिस्सा है। उतार-चढ़ाव जिंदगी में बने रहते हैं।' एआर रहमान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें सामने आया था कि एआर रहमान बैंड की गिटारिस्ट रहीं मोहिनी डे के साथ रिलेशनशिप में हैं। अफवाहों से दुखी संगीतकार ने एक बयान जारी किया था। उन्होंने नोटिस भी जारी किया था, जिसमें उन्होंने अपने बारे में अपमानजनक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही थी।

एआर रहमान जब अस्पताल में हुए भर्ती

दिग्गज संगीतकार ने अपनी सेहत के बारे में भी बात की और अपने फैंस के साथ एक मैसेज शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कहा, 'आप सभी के प्यार के लिए धन्यवाद। आप सभी को चिंता में डालने के लिए खेद है। मैं आप सभी की दुआओं और प्यार की वजह से स्वस्थ हूं। डीवाई पाटिल स्टेडियम में आपसे जल्द मिलूंगा।' मार्च में एआर रहमान के सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। उन्हें इस वजह से चेन्नई के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

धनुष की इडली कढ़ाई की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

निर्देशक धनुष की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर इडली कड़ाई के निर्माताओं ने घोषणा की कि यह फिल्म इस साल 1 अक्टूबर को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक्स हैंडल पर फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस वंडरबार फिल्म्स ने लिखा, इंतजार खत्म हुआ! 1 अक्टूबर से दुनिया भर में बड़े पर्दे पर इडली कढ़ाई आ रही है!

निर्माता आकाश भास्करन की डॉन पिक्चर्स वंडरबार फिल्म्स के साथ मिलकर फिल्म का निर्माण कर रही है। फिल्म के निर्माताओं ने पहले घोषणा की थी कि फिल्म इस साल 10 अप्रैल को दुनिया भर में स्क्रीन पर आएगी। हालांकि, उन्होंने रिलीज की तारीख की घोषणा किए बिना रिलीज को स्थगित करने का फैसला किया।

इस घोषणा के बाद एक साक्षात्कार में आकाश भास्करन ने कहा कि फिल्म की रिलीज को स्थगित किया जा रहा है क्योंकि फिल्म का 10 प्रतिशत हिस्सा अभी भी शूट किया जाना बाकी है। उन्होंने बताया, हमें इसे विदेश में शूट करने की जरूरत है। यह एक कॉम्बिनेशन सीन है जिसमें नित्या मेनन, अरुण विजय, राजकिरण, पार्थिबन और सभी कलाकार होंगे। सभी कलाकार एक ही तारीख पर उपलब्ध नहीं थे और इसी वजह से हम इस सीन को शूट नहीं कर पाए। हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे क्योंकि फिल्म वास्तव में अच्छी बनी है।

यह कहते हुए कि यह हिस्सा जल्द ही पूरा हो जाएगा, आकाश भास्करन ने कहा था कि निर्माता जल्द ही फिल्म के लिए रिलीज की नई तारीख की घोषणा करेंगे। निर्माताओं ने 1 अक्टूबर को रिलीज की नई तारीख की घोषणा की है। सूत्रों का कहना है कि अरुण विजय फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं और धनुष और अरुण विजय के बीच आमना-सामना रोमांचक होगा।

निर्माताओं ने यह भी पुष्टि की है कि शालिनी पांडे फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। 'इडली कढ़ाई' में धनुष और नित्या मेनन मुख्य भूमिका में हैं, जिसका निर्देशन धनुष खुद कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण धनुष की वंडरबार फिल्म्स और डॉन पिक्चर्स ने संयुक्त रूप से किया है।

रेणुका शहाणे ने उस हीरो को 36 घंटे काम करते देखा, आज बॉलीवुड पर करता है राज

हाल ही में एक्ट्रेस रेणुका शहाणे ने एक्टिंग के अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। इस बातचीत में उन्होंने अपने उस हीरो का जिक्र किया, जिसे एक चर्चित सीरियल के सेट पर वह बहुत मेहनत करते देखती थीं। आज वही हीरो बॉलीवुड पर राज करता है? जानिए, रेणुका शहाणे किस हीरो की बात कर रही हैं?

रेणुका शहाणे ने फिल्मों में आने से पहले टीवी पर काफी काम किया है। वह काफी मशहूर टीवी सीरियल का हिस्सा रही हैं। जब रेणुका टीवी सीरियल में काम करती थीं तो उस दौरान उन्होंने एक नए हीरो के साथ काम किया, जो आज बॉलीवुड की बहुत बड़ी शख्सियत है। उस समय वह हीरो भी अपना एक्टिंग करियर शुरू कर था। रेणुका हालिया बातचीत में अपने उसी को-एक्टर की मेहनत, लगन का जिक्र करती हैं। जानिए, किसकी बात कर रही हैं, रेणुका शहाणे।

मशहूर होने के बाद भी 36 घंटे करता था काम

हाल ही में रेणुका शहाणे ने रेडियो नशा ऑफिशियल से अपने एक्टिंग करियर पर बातचीत की। इसी बातचीत में रेणुका ने बताया कि 1989 में उन्होंने सीरियल 'सर्कस' किया था, जो उस समय काफी मशहूर हुआ, उस सीरियल में मुख्य किरदार में एक नया हीरो था, जो बहुत ही मेहनती था। रेणुका कहती हैं, 'वो पहले ही फौजी सीरियल कर चुका था, उसकी फैन भी काफी हो चुकी थे। इसके बावजूद मैंने उसको 36 घंटे तक काम करते देखा है। वह कभी थकता नहीं था, बहुत ही मेहनती था।'

कौन है वो एक्टर

रेणुका शहाणे जिस एक्टर की बात कर रही हैं, आज हम उन्हें किंग खान यानी शाहरुख खान के नाम से जानते हैं। रेणुका सीरियल 'सर्कस' में शाहरुख खान की हीरोइन बनीं। आज भी इनके बीच अच्छे रिश्ते हैं, दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन जिस तरह से रेणुका ने बताया कि शुरुआत से शाहरुख काम को लेकर बहुत मेहतनी रहे, यह आदत उनकी आज तक बरकरार है। यही कारण है कि आज वह बॉलीवुड पर राज करते हैं, देश-दुनिया में उनकी फिल्म देखी जाती हैं।

खान की आने वाली फिल्में

शाहरुख खान के मौजूदा करियर फ्रंट की बात करें तो उन्होंने 'जवान' और 'पठान' जैसी हिट फिल्में दी हैं। इस साल भी वह एक फिल्म 'किंग' कर रहे हैं। इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान भी एक अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म 'किंग' में भी शाहरुख खान दर्शकों को एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

सूनी मांग और गोद खाली, चाहकर भी घर नहीं बसा पाई ये हसीना

आशा पारेख, पद्मश्री सम्मानित, ने 60-70 के दशक में हिंदी सिनेमा में खूब नाम कमाया। नासिर हुसैन संग अफेयर के बावजूद उन्होंने शादी नहीं की। 82 साल की उम्र में वह सिंगल हैं और डांस अकेडमी चलाती हैं। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कई एक्ट्रेस हुईं जिन्होंने अपना करियर और लाइफ अपनी शर्तों पर जिया। एक एक्ट्रेस ऐसी ही हैं जिन्होंने खूब पॉपुलैरिटी हासिल की। कई के साथ नाम भी जुड़ा लेकिन शादी नहीं की। आज भी वह कुंवारी हैं। अब वह 82 साल की हो चुकी हैं लेकिन दुल्हन बनने का सुख कभी नहीं मिला। चलिए इनसे रूबरू करवाते हैं।

ये कोई और नहीं बल्कि आशा पारेख हैं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में खूब काम किया और नाम कमाया। पद्मश्री से सम्मानित आशा पारेख ने करियर की शुरुात बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट मां (1952) से की। फिर बतौर लीड वह दिल देके देखो (1959) से फिल्मों में आईं। 60-70 के दशक में आशा पारेख ने खूब काम किया। उनकी सुपरहिट फिल्मों की बात करें तो उन्होंने जब प्यार किसी से होता है, भरोसा, जिद्दी, मेरे सनम, तीसरी मंजिल, लव इन टोक्यो, दो बदन, कन्यादान, शिखर, चिराग, कटी पतंग, आन मिलो सजना, मेरे गांव मेरा देश से लेकर मैं तुलसी तेरे आंगन की है। अक्सर लोग आशा पारेख के धर्म को लेकर भी सवाल करते हैं। तो बता दें 2 अक्टूबर 1942 में जन्मीं आशा गुजरात से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता हिंदू गुजराती थे तो मां मुस्लिम। साल 2010 में आशा पारेख ने अपनी आस्था को लेकर बातचीत की थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आशा पारेख ने कहा था कि वह उनकी मां बहुत आध्यात्मिक थीं। वह खुद साई बाबा की भक्त हैं। उनहोंने बताया था कि एक बार उनकी मां को टाइफाइड हो गया था। डॉक्टरों ने कहा था समय लगेगा। मगर उन्होंने साईं बाबा से प्रार्थना की और फिर वह जल्दी ही ठीक हो गई ऐसे में वह इसे साईं बाबा का आशीर्वाद मानती हैं और तबसे उनका विश्वास बढ़ गया। आशा ने ये भी कहा था कि वह कोई ताबीज नहीं पहनती लेकिन वह ईश्वर में विश्वास रखती हैं और हनुमान चालीसा का भी जाप रखती हैं।

आशा पारेख का डायरेक्टर और आमिर खान के चाचा नासिर हुसैन संग अफेयर चला था। वह उनसे 16 साल बड़े थे। इतना ही नहीं, नासिर साहब पहले से शादीशुदा थे और पिता भी बन चुके थे।ऐसे में आशा किसी का घर नहीं तोड़ना चाहती थीं और उन्होंने कदम पीछे खींच लिए। आशा पारेख ने आजतक शादी नहीं की। एक बार इस बारे में बात करते हुए आशा ने कहा था कि शादी और किस्मत ऊपरवाला लिखता है। शायद भगवान ही उनकी जोड़ी बनाना भूल गया। उनकी कुंडली में भी शादी का योग नहीं था।

आशा पारेख का नाम शम्मी कपूर से भी जुड़ा था। एक बार तो अफवाहें उड़ी थीं कि दोनों ने शादी कर ली थी। लेकिन बाद में सच्चाई कुछ और ही निकली। दरअसल एक पार्टी में एक्टर ने यूं ही मजाक में शादी की बात कह दी थी और तभी से उनके साथ ये अफवाहें चलने लगी थी वरना उनका शम्मी कपूर से ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। आशा पारेख ने एक बार बच्चा गोद लेने के बारे में भी बात की थी। उन्होंने बताया था कि वह बच्चा अडॉप्ट करना चाहती थीं लेकिन उनका ये सपना अधूरा रह गया। मगर उन्हें कोई अफसोस नहीं है। अब 82 साल की उम्र में आशा सिंगल हैं। वह आज के समय में डांस अकेडमी और हॉस्पिटल चलाती हैं।

सूर्या की फिल्म रेट्रो का गाना द वन रिलीज, 1 मई को होगी रिलीज

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज की आगामी एक्शन फिल्म रेट्रो के निर्माताओं ने फिल्म का गाना द वन रिलीज कर दिया। गाने के रिलीज होने के बाद फैंस और फिल्म प्रेमी काफी खुश हैं। फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने एक्स पोस्ट में लिखा, वह गाना, जिसे मैं आप सभी को दिखाने के लिए इंतजार कर रहा था, वह आ गया है।

वन गाना रेट्रो में सूर्या के किरदार को समर्पित लगता है और इसमें एक प्रेरणादायक स्वर है। गाने में कुछ खूबसूरती से शूट किए गए दृश्य हैं, जो इसके साथ चलते हैं। सिड श्रीराम और संतोष नारायणन द्वारा गाए गए इस गाने को संतोष नारायणन ने ही ट्यून किया है और इसके बोल विवेक ने लिखे हैं। इस गाने में रैप भी है, जिसे एसवीडीपी ने गाया है।

अभिनेता सूर्या ने भी अपने एक्स टाइमलाइन पर गाने के रिलीज की घोषणा की।

बता दें कि सूर्या इस फिल्म के लिए कुछ खास स्टाइल की फाइटिंग की ट्रेनिंग लेने के लिए थाईलैंड गए थे। टीम ने खुलासा किया है कि सूर्या ने अपनी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत से थाईलैंड में मौजूद फाइटर्स को चौंका दिया।

फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प बात यह है कि सूर्या ने फिल्म में अपने हिस्से की डबिंग पहले ही पूरी कर ली है, जो इस साल 1 मई को रिलीज होने वाली है।

सूर्या और पूजा हेगड़े के अलावा रेट्रो में मलयालम अभिनेता जोजू जॉर्ज और जयराम व तमिल अभिनेता करुणाकरण सहित कई सितारे नजर आएंगे। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने दिया है और छायांकन श्रेयस कृष्णा ने किया है। संपादन का काम शफीक मोहम्मद अली और कला निर्देशन जैकी, मायापंडी ने किया है। फिल्म में एक्शन की भरमार होगी और स्टंट केचा खम्फाकडी करेंगे।

चेहरे पर पार्लर जैसा निखार लाने के लिए काफी है सिर्फ एक टमाटर

आप शायद पहले से ही जानते होंगे कि टमाटर कई कारणों से एक सुपरफूड है। यह न केवल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी चमत्कारी है। टमाटर उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना अधिक पैसे खर्च किए बहुत आसानी से सुंदर और आकर्षक दिखना चाहते हैं। टमाटर में चेहरे की चमक बढ़ाने और त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करने की क्षमता होती है। इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होते हैं। ये विटामिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

आपको बता दें, टमाटर में ऐसी खटास होती है जो आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को खोलने में मददगार होती है और मुंहासों के इलाज में मदद करती है। टमाटर का इस्तेमाल हेल्दी स्किन सेल्स को प्रदूषित करने वाले फ्री रेडिकल्स को हटाने के लिए भी किया जा सकता है। बहुत से लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण त्वचा की देखभाल पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे लोगों के लिए घर पर टमाटर का फेस पैक बनाना बहुत आसान है। चेहरे पर काले धब्बे, पिगमेंटेशन, झुर्रियां और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने के लिए यह एक बेहतर उपाय है। टमाटर स्किन को जवां बनाए रखने में भी कारगर है।

रिपोर्ट के अनुसार, त्वचा की देखभाल के लिए टमाटर का इस्तेमाल करने के कुछ तरीके इस प्रकार हैं।

- इसके लिए सबसे पहले एक ताजे टमाटर को आधा काट लें और फिर इसे अपनी त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें। ऐसा करने से स्किन पिगमेंटेशन दूर करने में मदद मिलेगी।
- दूसरा तरीका यह है कि एक टमाटर लें और उसे अच्छी तरह से मैश करें और उसमें एक बड़ा चम्मच दही मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें। यह मुहांसों को रोकने के लिए एक बेहतरीन मास्क है।
- वहीं, तीसरा तरीका यह है कि 2 से 3 चम्मच टमाटर की प्यूरी लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें और मिला लें। अब इस मिश्रण को त्वचा पर लगाकर 10 से 15 मिनट बाद धो लें। यह स्किन पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करेगा।
- चौथा तरीका यह है कि एक टमाटर को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इसमें आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। यह मास्क त्वचा की सूजन और रंग परिवर्तन जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है। यह सूर्य की रोशनी से होने वाली त्वचा की क्षति की मरम्मत में भी मदद करेगा।
- पांचवा तरीका यह है कि एक टमाटर को आधा काटें और उसपर थोड़ा चीनी छिड़क दें। आप इसका उपयोग अपने चेहरे और गर्दन पर तीन मिनट तक गोलाकार गति में धीरे-धीरे मालिश करने के लिए कर सकते हैं। फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने और त्वचा को नरम बनाने के लिए सबसे अच्छा है। ऐसा करना भी चेहरे की चमक बढ़ाने में कारगर है।

5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी केवल जीडीपी का आंकड़ा नहीं, बल्कि यह लाखों लोगों को गरीबी से उबारने मूलमंत्र है : डॉ. पीके मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल जीडीपी का आंकड़ा नहीं है ङ्क बल्कि यह लाखों लोगों को गरीबी से उबारने, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण के बारे में है। शनिवार को संबलपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान के 9वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. पीके मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृत काल के भव्य दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। डॉ. पीके मिश्रा ने दोहराया कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हम सभी सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की प्रक्रिया के माध्यम से देश को अगले स्तर पर ले जाएं। इस प्रयास में हम सभी यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाए।

वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक संदर्भ में अवसर और चुनौतियां विषय पर संबोधित करते हुए, डॉ. मिश्रा ने कहा कि हम एक दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण समय में रह रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, संरक्षणवादी नीतियों, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और बदलते वैश्विक व्यापार पैटर्न सहित जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि जहां हम अभूतपूर्व गति से तकनीकी सफलताएं देख रहे हैं; वहीं आपूर्ति श्रृंखलाओं की फिर से कल्पना की जा रही है और व्यापार संबंधों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु और स्थिरता हर बातचीत के केंद्र में हैं और इस मंथन के बीच, एक बात स्पष्ट है ङ्क भविष्य सिर्फ विरासत में नहीं मिलेगा, बल्कि इसे बनाया जाएगा।

डॉ. मिश्रा ने भारत की सुदृढ़ता पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत की वैश्विक स्थिति सकारात्मक है क्योंकि यह आंतरिक परिवर्तन के साथ-साथ वैश्विक गतिशीलता में भी बदलाव ला रहा है। प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने कहा कि एक तरफ आंतरिक रूप से, बढ़ती अर्थव्यवस्था, युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और तकनीकी प्रगति हमारी ताकत है, वहीं वैश्विक स्तर पर भारत का भू-राजनीतिक प्रभाव, रणनीतिक साझेदारी, प्रवासी समुदाय, वैश्विक प्रभाव के मामले में सॉफ्ट पावर हमारे देश के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

डॉ. मिश्रा ने वैश्विक नवाचार पावरहाउस बनने में भारत के कौशल का उदाहरण दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ, हम दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इकोसिस्टम हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और सौर जैसे क्षेत्रों में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के बारे में बात करते हुए विनिर्माण पुनरुत्थान को बढ़ावा दे रहे हैं, डॉ मिश्रा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह संचालन, रसद, आपूर्ति श्रृंखला रणनीति और विनिर्माण उत्कृष्टता में रोमांचक भूमिकाएं खुलती हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण पहलू पर, डॉ. मिश्रा ने आशा व्यक्त की कि 800 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के साथ, अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और उन्होंने यह भी कहा कि एआई, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और उद्योग 4.0 अब केवल चर्चा के शब्द नहीं रह गए हैं ङ्क वे वास्तविकता हैं। भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करते हुए, डॉ मिश्रा ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता स्थापित करना है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के पहलू और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के सह-संस्थापक के रूप में भारत के प्रयास पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी, हरित वित्त, ईवी, कार्बन ट्रेडिंग और परिपत्र अर्थव्यवस्था प्रथाओं सभी को प्रशिक्षित, नवीन विचारों की आवश्यकता होगी और यही वह स्थान है जहां कौशल समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हमारे आईटी निर्यात पर प्रकाश डालते हुए, जो 200 अरब डॉलर से अधिक हो गया है, डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारी फार्मा विश?व के लिए एक जीवन रेखा बनी हुई है। ''मेड इन इंडिया में बढ़ते आत्मविश्वास के साथ, वैश्विक बाजार पहले से कहीं अधिक सुलभ हैं, क्योंकि डॉ. मिश्रा दुनिया को निर्यात करने वाले व्यवसायों का नेतृत्व करने या भारतीय मिट्टी से वैश्विक आपूर्ति नेटवर्क का प्रबंधन करने का आह्वान करते हैं। डॉ. मिश्रा उल?लेखित करते हैं, भारत को सालाना 8-10 मिलियन गुणवत्ता वाली नौकरियां बनाने तथा कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच पंक्तिबद्ध करने की आवश्यकता है। सरकार के डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, डॉ. मिश्रा ने निजी क्षेत्र में चैंपियनों की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो वंचितों को डिजिटल कौशल प्रदान करने में मदद कर सकते हैं या छोटे व्यवसायों को सलाह दे सकते हैं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने कहा कि संस्थान को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ इसके डिजाइन में समकालीन संबलपुरी कला का उपयोग करके बनाया गया है। डॉ. मिश्रा ने उल्लेख किया कि आईआईएम संबलपुर ने अपने मूल मूल्यों, नवाचार, अखंडता और समावेशिता के साथ प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता की प्रतिष्ठा अर्जित की है, जैसा कि उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने 2021 में इसकी आधारशिला रखी और साथ ही फरवरी 2024 में परिसर का उद्घाटन भी किया। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिमी ओडिशा के मास्टर बुनकरों के लिए डिजाइन किए गए उद्यमिता विकास कार्यक्रम को शुरू करने के लिए आईआईएम संबलपुर की प्रशंसा की।

डॉ. मिश्रा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्थान सरकार की आधुनिक पहलों का ध्वजवाहक है, एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहल की अवधारणा का अनुसरण करता है, और इसका उद्देश्य भारत को तकनीकी संचालित प्रबंधन शिक्षा में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि आईआईएम संबलपुर में न केवल विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा है, बल्कि यह एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जो हमारे देश के इतिहास और विरासत में बसा हुआ है, विदित है कि क्षेत्र की पीठासीन देवी, मां समलेश्वरी और वीर सुरेंद्र साईं की भूमि है, जिन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से पूर्व औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। डॉ. मिश्रा ने विद्यार्थियों को विपरीत परिस्थितियों में साहसी और सहनशील बनने के लिए प्रोत्साहित किया। दृढ़ता और दृढ़ संकल्प जैसे गुणों के सार को जोड़ते हुए, उन्होंने सभी को विफलता से सीख लेकर और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में स्वीकार करने, बड़े सपने देखने और अपनी क्षमताओं पर विश्वास और भरोसा रखने के लिए प्रेरित किया।

खास खबर

सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में करें निराकरण : कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सुशासन तिहार के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने बैठक में सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री एवं मूल आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करने के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करते हुए संबंधित विभागों को तय समय में आवेदन प्रेषित करने के निर्देश दिए। साथ ही सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने एसडीएम एवं जनपद पंचायत के सीईओ को गंभीरता पूर्वक मॉनिटरिंग करते हुए आवेदनों के छंटनी एवं ऑनलाइन एंट्री तेजी से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। इसके लिए पर्याप्त संख्या में ऑपरेटरों के अलावा मॉनिटरिंग के लिए अधिकारी की भी ड्यूटी नियत करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदनों की संख्या एवं प्रकृति को देखते हुए रणनीति बनाकर तेजी से आवेदनों को निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकतर आवेदन प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालय निर्माण से संबंधित है, इसके लिए ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक लेकर निराकरण के लिए तत्परता से कार्य करें। साथ ही राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए पटवारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों का 30 अप्रैल तक निराकरण सुनिश्चित करें। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत सहित सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर अग्रवाल ने बैठक में सुशासन तिहार के तीसरे चरण के तहत 5 मई से होने वाले समाधान शिविरों की तैयारी के संबंध में भी आवश्यक चर्चा की। उन्होंने कलस्टर स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों की अच्छे से तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ को दिए। उन्होंने शिविर स्थल की साफ सफाई, पार्किंग, मंच, आमजनों की बैठक व्यवस्था सहित पेयजल आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। शिविर आयोजित होने वाले क्लस्टरों के गांवों में जरूरी प्रचार प्रसार एवं मुनादी भी करने के निर्देश दिए। जिससे क्लस्टर में शामिल गांवों के सभी ग्रामीणों को समाधान शिविर स्थल एवं तिथि की जानकारी मिल सके तथा ग्रामीण शिविर में आकर योजनाओं का लाभ ले सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में आवास प्लस सर्वेक्षण जारी

अम्बिकापुर। राज्य शासन की द्वारा मोर दुआर साय सरकार पखवाड़ा अंतर्गत ग्रामीण अंचलों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ दिलाने हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पदसोइलीकला में आवास प्लस का सर्वेक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल की उपस्थिति में दुखनी बाई पंडो एवं मनी पंडो का आवास प्लस का सर्वेक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा पात्र हितग्राहियों की जानकारी एकत्र कर उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने हेतु आवश्यक दस्तावेज संग्रहित किए गए। वहीं क्रम में जनपद पंचायत उदयपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरगवां रजबंध में आवास प्लस सर्वेक्षण 2.0 में जिला पंचायत सदस्य राधा रवि विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं का संज्ञान लिया गया और मोर दुआर साय सरकार अभियान की विस्तृत जानकारी दीं। गौरतलब है कि मोर दुआर साय सरकार अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र एवं वंचित लोगों को पक्का आवास दिलाना है। आवास प्लस 2.0 का सर्वे 30 अप्रैल तक चलेगा।

किसानों के केसीसी प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछली पालन विभागों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक भी शामिल हुए। कलेक्टर ने कृषि संबद्ध विभागों द्वारा किसानों को केसीसी ऋ ण प्रदान करने बैंकों को प्रेषित आवेदनों को अनावश्यक लंबित नहीं रखने के निर्देश देते हुए प्राथमिकता में केसीसी प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कहा की किसानों को शासकीय योजनाओं एवं ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के लिए अधिक से अधिक किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनाया जाए। जिससे उन्हें आर्थिक सहायता के अलावा खाद एवं बीज की भी सहायता शासकीय स्तर से प्राप्त हो सके। उन्होंने किसानों के केसीसी कार्ड बनवाने उन्हें जागरूक करने के लिए कृषक चौपाल एवं जागरूकता अभियान भी चलाने के निर्देश दिए। साथ ही मैदानी अमले को सक्रिय कर किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैंक स्तर पर केसीसी के लंबित आवेदनों के रिजेक्शन की जानकारी लेते हुए आवेदन रिजेक्शन के संबंध में जांच के लिए समिति गठित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर अग्रवाल ने कृषि विभाग अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि के पंजीयन के लिए लंबित आवेदनों की भी जानकारी ली। उन्होंने ऐसे आवेदन में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति एवं त्रुटि सुधार कार्य कर तहसीलदार पटवारी से समन्वय कर पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम किसान ई केवाईसी, लैंड सीडिंग एवं आधार सीडिंग के कार्यों को भी पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर अग्रवाल ने विभागों को निर्देशित करते हुए कहा की सभी विभाग नवाचार के साथ कार्य करें। किसानों को योजनाओं का लाभ लेने प्रोत्साहित करें। साथ ही शासकीय जिम्मेदारियां को सक्रियता एवं गंभीरता के साथ निर्वहन करते हुए लंबित कार्यों को समय सीमा में निराकृत करें।

इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम सहित कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मछलीपालन विभाग, सहकारी बैंकों के अधिकारी एवं कृषि संबद्ध विभागों के मैदानी अमले भी मौजूद रहे। कलेक्टर अग्रवाल ने बैठक में कहा की किसानों को धान के अलावा अन्य अधिक मुनाफे वाली फसलों के बारे में जागरूक की जाए। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने फ सल चक्र परिवर्तन के संबंध में किसानों को जागरूक करने लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में किसानों को उद्यानिकी, मछली पालन एवं पशुपालन से संबंधित आजीविका गतिविधियों में जोड़ने के लिए आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग अंतर्गत चल रहे राष्ट्रीय बागवानी मिशन, सब्जी क्षेत्र विकास योजना, शेड नेट, पैक हाउस एवं मसाला फसल विस्तार क्षेत्र की कार्य योजना के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने मछली पालन विभाग की समीक्षा करते हुए इच्छुक किसानों को मछली पालन से जोड़ने प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने कवर्धा जिले का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा-रायपुर। दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज जिले के आकस्मिक निरीक्षण के तहत जिला अस्पताल, प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क सहित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण से पूर्व उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में स्वीकृत मेडिकल कॉलेज की तैयारियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में संभागायुक्त राठौर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज जैसे महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना जिले के स्वास्थ्य और शैक्षणिक ढांचे के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए शासन एवं प्रशासन स्तर पर की जा रही कार्यवाही, भूमि चिन्हांकन, निर्माण की कार्ययोजना, स्टाफ की नियुक्ति और संसाधनों की व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय त्रिपाठी ने संभागायुक्त को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत स्वीकृत पीएम आवास, सामुदायिक भवन, विद्युत विस्तार तथा पेयजल व्यवस्था की तैयार कार्ययोजना और प्रगति की जानकारी दी।

छावनी चौक अब होगा गो-माता चौक, गाय की प्रतिमा होगी स्थापित, सौंदर्यीकरण भी होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

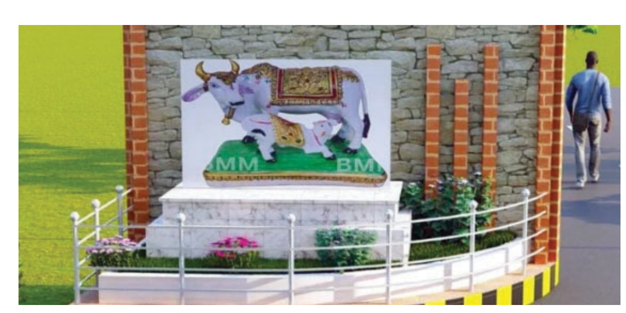

भिलाई। शहर का छावनी चौक जल्द ही गो-माता चौक के नाम से जाना जाएगा। यहां गाय की प्रतिमा स्थापित होगी और चौक का होगा सौंदर्यकरण भी किया जाएगा। महापौर नीरज पाल ने शनिवार को स्थल अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बता दें कि नगर पालिक निगम भिलाई की 27 मार्च 25 को हुई विशेष सम्मिलन की बैठक में महापौर नीरज पाल ने अपने बजट अभिभाषण बताया था कि श्री शंकराचार्य जी महाराज ने 10 मार्च 24 देश व्यापी गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए छावनी चौक भिलाई में धरने पर बैठे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि निगम का सदन इस चौक का नाम गौ माता के नाम पर नामकरण कर सौंदर्यकरण किये जाने का स्वीकृति प्रदान करें।

इसके बाद महापौर के इस प्रस्ताव को सदन ने स्वीकृति प्रदान किया गया था। छावनी चौक के सौंदर्यकरण किये जाने हेतु जोन दो के राजस्व विभाग द्वारा सर्वेक्षण किया जा चुका है। जिसका स्थल अवलोकन शनिवार को महापौर नीरज पाल, जोन आयुक्त यशा लहरे, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे सहायक अभियंता अर्पित बंजारे ने किया। महापौर ने मौका स्थल पर प्रभावित होने वाले परिवार को आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना में व्यवस्थापन किया जाएगा।

महापौर पाल ने स्थल पर उपस्थित अधिकारियो को आवश्यक निर्देश दिए और शीघ्र कार्य प्रारंभ करने को कहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप पहुंचे दुर्ग केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन कर अद्यतन कार्यों का जायजा लिया। वनमंत्री ने यथाशीघ्र गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने संबंधितों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल व जिला एवं जनपद पंचायत के प्रतिनिधि भी साथ मौजूद थे। लघु वनोपजों के प्रसंस्करण हेतु लगभग 23 करोड़ की लागत से 110 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रसंस्करण इकाई स्थापित किया जा रहा है।

वन मंत्री कश्यप ने इन इकाई में प्रसंस्करण होने वाले उत्पाद तथा गोदामों में भंडारित वनोपज, मिलेट्स फसल, प्रसंस्करण पश्चात् वितरण आदि की भी जानकारी ली। वन मंत्री कश्यप ने सम्पूर्ण इकाई परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को एक पेड़ माँ के नाम पर लोगों से पौध रोपण करने की अपील की। इस अवसर पर डीएफओ चंद्रशेखर परदेशी, एसडीएम लवकेश ध्रुव एवं अन्य विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मितान लोक महोत्सव इस बार धामनसरा में

राजनांदगांव। मितान छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार कल्याण संघ एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 26 अप्रैल को समीपस्थ ग्राम धामनसरा में मितान लोक महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह होंगे। अध्यक्षता महापौर मधुसूदन यादव करेंगे । विशेष अतिथि के रूप में जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, जिला पंचायत सदस्य देवकुमारी साहू, अंगेश्वर देशमुख, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर,जिला भाजपा उपाध्यक्ष लीलाधर साहू, जनपद सदस्य हर्षिता अभिषेक चंद्राकर, पूर्व जनपद सदस्य रोशनी योगेंद्रदास वैष्णव और सरपंच श्रीमती गौरी कृत पटेल उपस्थित रहेंगे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नवविवाहिता ने लगा ली फांसी

बिलासपुर। विवाह के तीसरे दिन महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें वो अपनी मर्जी से आत्महत्या करने और परिवारवालों को परेशान नहीं करने की बात लिखी है। विवाह के बाद वो अपने मायके आई थी। इसी दौरान टाइलेट में खुदकुशी कर ली। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है। डीएसपी नुपूर उपाध्याय ने बताया कि ग्राम अमाली की रहने वाली लक्ष्मी भैना (23) की शादी बीते 15 अप्रैल को हुई थी। बारात जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम कोसा से आई थी। शादी के बाद दूसरे दिन सुबह विदाई हुई। इस दौरान उसके साथ बुआ और मामी भी साथ गई थी। उसी शाम मायके वाले उसे लेने के लिए जांजगीर गए। जिसके बाद रात को उसे लेकर गांव आ गए।

बताया जा रहा है कि रातभर युवती अपने मायके में थी। 17 अप्रैल की सुबह वो सोकर उठी, तब सब कुछ ठीक था। वह घर के पीछे बाड़ी में बने टायलेट तरफ गई थी। काफी देर तक वो घर नहीं आई, तब परिजन टायलेट तरफ उसे देखने गए, जहां अंदर में युवती की लाश फांसी के फंदे पर लटक रही थी। आनन-फानन में परिजनों ने फांसी का फंदा काटकर उसे उतारा। इसके बाद उसे कोटा स्थित स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया।

नकदी 2 लाख की चोरी, व्यापारी की शिकायत पर एफआईआर

रायपुर। ई-रिक्शा से व्यापारी के 2 लाख रुपए चोरी हो गए। व्यापारी सामान खरीदने के लिए रायपुर आया था। इस दौरान शेयरिंग ई-रिक्शा में कई अन्य लोग सवार थे। ई-रिक्शा में सवार किसी ने व्यापारी के बैग से पैसे निकाल लिए। फिलहाल, इस मामले में मौदहापारा पुलिस सीसी टीवी फुटेज की जांच कर रही है। एफआईआर के मुताबिक, मुकेश कुमार भोजवानी ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। जिसमें उन्होंने बताया कि वह तिल्दा नेवरा रायपुर में रहता है। किराना दुकान चलाता है। 19 अप्रैल को अपने घर से ट्रेन से रायपुर आया। उसने अपने बैग में 2 लाख 74 हजार कैश रखे हुए थे। रेलवे स्टेशन से रिक्शा लेकर एमजी रोड पहुंचा। इस दौरान रिक्शा से उतरकर होलसेल दुकान के भीतर गया। वहां पहुंचकर जब उसने बैग को देखा। तो उसमें 500-500 रुपए के 4 बंडल गायब थे। मुकेश ने पुलिस को बताया कि ई-रिक्शा में उसके अलावा एक आदमी और दो महिला सवार थे। उसे शक है कि बैग से महिलाओं ने रुपए चोरी कर लिए होंगे। फिलहाल इस मामले में मौदहापारा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

कुम्हारी में अधेड़ की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, गांव का ही युवक निकला आरोपी, गाली बनी हत्या की वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक दिन पहले कुम्हारी थाना क्षेत्र में हुई अधेड़ की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या करने वाला गांव का ही एक युवक निकला। 17 अप्रैल की देर रात युवक ने अधेड़ पर धारदार हथियार से हमला किया था जिसके कारण उसकी मौत हो गई। घटना की शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। थाना कुम्हारी एवं एसीसीयू की टीम के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

बता दें थाना कुम्हारी क्षेत्र में 17-18 अप्रैल की दरम्यानी रात को एपेक्स हॉस्पिटल कुम्हारी से प्राप्तअस्पताली मेमो पर मृतक भागवत मारकण्डे (55) धारा 194 बीएनएसएस कायम किया गया। जिसमें डॉक्टर के द्वारा मृतक को ब्राड डेथ के साथ उसके शरीर में चोट के निशान होना बताया था। शुरुआती जांच में हत्या का मामला सामने आया तो पुलिस ने धारा 103 बीएनएस का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। इसके बाद कुम्हारी थाना प्रभारी इंचार्ज डीएल साहू के नेतृत्व में थाना एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम को मामला पतासाजी हेतु निर्देशित किया गया।

घटना स्थल मुवायना तथा मृतक के घर के आसपास गली मोहल्ला चौक चौराहे में सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया जिसमें घटना समय दरम्यान रात्रि लगभग 11.45 से 12.40 के बीच एक युवक हाथ में चाकू लेकर दौड़ता हुआ दिखाई दिया। पुलिस की टीम द्वारा उक्त फुटेज को दिखाकर गांव के लोगों से पूछताछ की गई तो उसकी पहचान जयदीप साहू पिता रमेश साहू (24) पता रामपुर चोरहा के रूप में हुई।

इसके बाद पुलिस ने जयदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने पूरी सच्चाई बता दी। आरोपी ने बताया कि वह ग्राम रामपुर चोरहा में ही मृतक के पड़ोस के मोहल्ले में रहता है। घटना की रात वह खाना खाकर भागवत मारकण्डे के घर की ओर टहलने निकला था। तब भागवत मारकण्डे उसको देखकर मां बहन की गंदी गंदी गालिया बकने लगा, आरोपी ने जब उसे समझाया तो उसके द्वारा उसे और भी गांलिया देने लगा। आरोपी ने बताया कि उस समय भागवत मारकण्डे शराब के नशे में अंधाधुंध गालिया बक रहा था।

इससे गुस्से में आकर वह अपने घर गया और घर में रखे चाकू को लाकर भागवत मारकण्डे के कमरे में दाखिल हुआ। इसके बाद भागवत मारकण्डे पर अंधाधुंध उस पर चाकू से वार किया। जिससे उसके गला और पीठ में प्राणघातक चोटें आई। मृतक को निश्चेत अवस्था में छोड़कर वह वहां से भाग गया। इसके बाद घर वाले उसे अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर उसे जेल भेज दिया है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी खुर्सीपार निरीक्षक अम्बर सिंह भारद्वाज, थाना प्रभारी कुम्हारी इंचार्ज उप निरीक्षक डीएल साहू, सउनि सुभाष बोरकर, आरक्षक जी. किरण, युगल किशोर, लेखराज निषाद, पुष्पेन्द्र चौर्गे एवं एसीसीयू टीम से एएसआई गुप्तेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक शागीर खान, आरक्षक राकेश चौधरी, भावेश पटेल, राकेश अन्ना, गुनित, अमित सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही है।

हादसे के बाद एक्शन में ट्रैफिक पुलिस, पावर हाउस के फ्लाईओवर के नीचे कंडम गाड़ियों को हटाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शुक्रवार रात को भिलाई पावर हाउस फ्लाईओवर के नीचे हुए हादसे के बाद दुर्ग की ट्रैफिक पुलिस एक्शन में आ गई है। शनिवार को यातायात का अमला मुस्तैद दिखा और भिलाई पावर हाउस फ्लाईओवर के नीचे नो पार्किंग में खडे वाहनों के साथ महीनों से यहां रखी कंडम गाड़ियों को हटाया गया। यातायात विभाग ने इस दौरान 15 कण्डम गाड़ियों को क्रेन सें हटाया गया एवं 32 वाहन पर नो पार्किंग की कार्रवाई की।

बता दें शुक्रवार देर रात भिलाई पावर हाउस फ्लाइओवर ब्रिज के नीचे बाइक सवार 3 किशोर वहां खड़ी पिकअप से टकरा गए थे। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक घायल हो गया। इस हादसे के बाद भिलाई पावर हाउस फ्लाइओवर ब्रिज के नीचे खड़ी कंडम गाडियों पर कार्रवाई शुरू हो गई। हादसा होने के बाद विभाग जागा और यातायात पुलिस ने शनिवार को ब्रिज के नीचे खड़ी कंडम गाड़ियों को हटाने का काम किया।

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा पूर्व में यहां के गैरेज संचालकों को ब्रिज के नीचे वाहनों को हटाने का निर्देश दिया गया था इसके बाद भी यहां कंडम गाड़ियों को पार्क कर दिया जाता है। शुक्रवार को हुए हादसे के बाद यातायात पेट्रोलिंग के द्वारा ब्रिज के नीचे खडे लगभग 15 वाहनों को क्रेन सें हाटाने की कार्यवाही की गयी साथ ही सभी वाहनों के उपर नो पार्किग धारा के तहत ऑन लाईन चालान भी किया गया। पावर हाउस ब्रिज के आस पास गैरेज संचालन करने वाले को भी पुन: इस प्रकार वाहन खडा ना करे इसके लिए भी चेतावनी दी गई। एएसपी ट्रैफिक ऋचा मिश्रा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सभी गाड़ियों का ऑनलाइन चालान किया गया।

बिलासपुर कबड्डी खेलने निकला दुर्ग का छात्र फंदे पर झूला, इंस्टा पर लाइव आकर दे दी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र का एक 17 वर्षीय छात्र कबड्डी खेलने बिलासपुर निकला और फंदे पर झूल गया। बिलासपुर के जंगल में उसने पेड़ पर फंद्दा लगाया और इंस्टा पर लाइव आकर जा दे दी। छात्र 15 अप्रैल को बिलासपुर के लिए निकला था और 18 अप्रैल को इंस्टा पर उसका वीडियो मिला। इसके बाद तलाश शुरू हुई और 19 अप्रैल की सुबह उसकी लाश बिलासपुर के जंगल से मिली। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार 17 अप्रैल को राजेन्द्र साहू ने कुम्हारी थाने पहुंचकर अपने बेटे लक्की साहू की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल को उसने कबड्डी खेलने के लिए बिलासपुर जाने की बात घर में कही थी। जब देर शाम तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। 16 अप्रैल को भी जब उसका पता नहीं चला। 17 अप्रैल को थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। इस बीच परिजनों ने 18 अप्रैल को इंस्टा पर वीडियो देखा जिसमें लक्की फांसी का फंद्दाबनाकर झूल रहा है। वह कह रहा है कि उसकी लाश को बिलासपुर के जंगल में ढूंड लें।

इसके बाद परिजनों मे हड़कंप मच गया। इसके बाद छात्र के पिता और परिजन पुलिस के साथ तलाश कर रहे थे इस दौरान 19 अप्रैल की सुबह उसकी लाश सरकंडा इलाके के चिल्हाटी में मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि 17 वर्षीय लक्की कुम्हारी थाना के जंजगिरी गांव का रहने वाला था। वहीं के मानसरोवर स्कूल में 12वीं पढ़ता था और कबड्डी भी खेलता था। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस किया, तो 17 अप्रैल को उसका लास्ट लोकेशन बिलासपुर के तोरवा-सरकंडा क्षेत्र में मिला। छात्र ने आत्महत्या क्यों कि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है।

17 को बेटी की शादी कर लापता हुआ पिता का मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन में मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। जिले के मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन परिसर में एक व्यक्ति ने पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक मध्यप्रदेश के बिजुरी थाना क्षेत्र के कोठी इलाके का रहने वाला था। 17 अप्रैल को मृतक की बेटी की शादी थी। अगले दिन 18 अप्रैल को बिदाई करने के बाद वह रात से लापता था। परिजनों ने सभी जगह पता किया, लेकिन कोई पता नही चल सका।

19 अप्रैल की रात दस बजे इसकी लाश मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के सामने एक पेड़ पर लटकी हुई मिली। हथेली में लिखे मोबाइल

नम्बर पर काल किया गया। इसके बाद परिजन मौके पर पहुँचे और चालीस वर्षीय अमृतलाल साहू के रूप में मृतक की पहचान हुई। इस घटना की जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुँची। परिजनों से पूछताछ में यह बात सामने आई कि मृतक नशे का आदी था और बेटी की शादी अपनी क्षमता से ज्यादा कर्ज लेकर की थी। इसी बात को लेकर वो मानसिक रूप से परेशान था। आशंका जताई जा रही है कि, इन्ही कारणों ने अमृतलाल ने आत्महत्या की होगी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुटी है।

कांग्रेस नेता की हादसे में हुई मौत के बाद कोंडागांव में बवाल

भाजपा नेता की गिरफ्तारी को लेकर सड़क पर कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में कांगेस नेता की हादसे में मौत के बाद बवाल मच गया है। कांग्रेस नेता की बाइक को ठोकर मारने वाले भाजपा नेता के खिलाफहत्या का प्रकरण दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस सड़क पर आ गई है। मामला कोंडागांव थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक हेमेंद्र भोयर बाइक से अपनी भाभी चंपी भोयर के साथ शादी का कार्ड बांटने के लिए कोंडागांव जा रहे थे, तभी डोंगरीगुड़ा ढाबे के पास पीछे से बीजेपी नेता पूर्णेंदु कौशिक ने टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार लोग सड़क पर दूर जाकर गिरे। हादसे में हेमेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी पहुंच गए।

मृतक हेमेंद्र भोयर मुलमुला ग्राम पंचायत के पंच थे, जबकि उनकी भाभी चंपी सरपंच है। परिजनों का आरोप है कि पूर्णेंदु कौशिक इन लोगों से पहले से दुश्मनी रखता था। पहले भी उसे धमकी मिल चुकी थी। हादसे में मौत के बाद पूर्व विधायक मोहन मरकाम भी थाने पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। मोहन मरकाम का कहना है कि हेमेन्द्र भोयर की हत्या राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के कारण की गई है और इसके लिए आरोपी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

दुर्ग पुलिस को बड़ी सफलता : 12 लाख की हेरोइन के साथ पकड़ाए पंजाब के दो शातिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में नशे के सौदागरों के खिलाफबड़ी कार्रवाई की गई। क्षेत्र में अवैध रूप से हेरोइन की बिक्री करते पुलिस ने पंजाब के दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से पुलिस ने 150 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) जब्त किया है जिसकी बाजार में कीमत लगभग 12 लाख रुपए है। साथ ही बिक्री की रकम 53,150 रुपए भी पुलिस ने जब्त किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 21(ख) 27(क) नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों को जेल भेज दिया गया है।

बता दें दुर्ग जिले में अवैध शराब, मादक पदार्थ, नशीली दवाईयों की अवैध कारोबार तस्करी व बिक्री करने वालो के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस बीच थाना मोहन नगर व एसीसीयू की संयुक्त टीमों को पता साजी के दौरान 18 अप्रैल 2025 को मुखबिर से सूचना मिली कि कृषि उपज मंडी सिकोला भाठा दुर्ग में दो व्यक्ति चिट्टा हेरोइन बेच रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर कृषि उपज मंडी सिकोला भाठा में दो व्यक्तियों को चिट्टा (हेरोइन) बिक्री करते पकड़ा गया।

पूछताछ में दोनों ने अपना नाम क्रमश: गुरूदेव सिंग बीर्क पिता सुवेग सिंग (54) निवासी मोहकम वाला उर्फ अरैया वाला थाना मक्खु जिला फिरोजपुर पंजाब व राजविन्दर सिंग उर्फ लड्डू पिता अर्जुन सिंग (32) निवासी हाउसिंग बोर्ड एलआईजी 2 क्वाटर नंबर 331 32 एकड थाना वैशाली नगर जिला दुर्ग स्थायी पता ग्राम तालवंडी दासोदा सिंग थाना कत्थु नांगल जिला अमृतसर पंजाब बताया। इनके कब्जे से एक काले रंग के बैग के अंदर एक प्लास्टिक के पन्नी में मादक पदार्थ चिट्टा (हेरोईन) कुल वजन 150 ग्राम कीमती करीबन 12 लाख रुपए व तीन मोबाइल, बिक्री की रकम 53,150 रुपए जब्त किया गया।

आरोपियों का उक्त कृत्य अपराध धारा 21(ख) 27(क) नारकोटिक्स एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरूद्ध थाना मोहन नगर में अपराध क्रमांक 147/2025 धारा 21(ख) 27(क) नारकोटिक्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक शिव प्रसाद चन्द्रा थाना प्रभारी मोहन नगर, एएसआई गुप्तेश्वर यादव, राजेश कुमार पाण्डेय, राजेन्द्र देशमुख, प्रधान आरक्षक प्रदीप सिंह, आरक्षक- तिलेश्वर राठौर, कोमल सिंह, क्रान्ति शर्मा, पुष्कर दीवान, फारूख खान, खुर्रम बक्श, नरेन्द्र सहारे, तारकेश्वर साहू, चिरंजीव कुमार एवं चन्द्रशेखर यादव की विशेष भूमिका रही।

वन्य प्राणी का अवैध शिकार, दो नाबालिग पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। धरमजयगढ़ वनमंडल अंतर्गत धरमजयगढ़ परिक्षेत्र के बायसी परिसर में 18 अप्रैल 2025 को वन्यप्राणी गोह का अवैध शिकार करने के मामले में वन विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। जिसमें दो अपचारी बालकों को निरूद्ध कर न्यायिक रिमांड हेतु प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ वनमंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 अप्रैल को क्षेत्रीय वन अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा वन भ्रमण के दौरान बायसी परिसर कक्ष कमांक 369 आर.एफ लांजानारा के पास दो व्यक्तियों द्वारा वन्यप्राणी गोह जो वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची। का वन्यप्राणी है, को मारकर साल झाड़ की टहनियों एवं पत्तो में छिपाकर ले जा रहे थे, जिनको पकड़ा गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा पूछताछ करने पर अपचारी बालको के द्वारा साकिन क्रोन्धा थाना तहसील धरमजयगढ़ जिला रायगढ़ का निवासी होना बताया गया। मौके पर ही उन्हे पूछताछ करने पर गोह को टांगी से मारकर खाने के लिये घर ले जा रहे है, बताया गया एवं अवैध शिकार कर गोह को मारने का जुर्म कबुल किया गया।

तत्पश्चात वन अपराध प्रकरण क्रमांक 19976/13 18 अप्रैल 2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दोनों व्यक्ति से मृत गोह, टांगी एवं साल प्रजाति के टहनियां एवं पत्तीयां जप्त की गई। वन्यप्राणी गोह का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सक धरमजयगढ़ द्वारा वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ एवं उप वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ तथा पंथों की उपस्थिति में किया गया एवं उनके उपस्थिति में विधिवत दाह संस्कार किया गया। 18 एवं 19 अप्रैल 2025 को दोनों से इस संबंध में फिर से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया गया एवं बयान में उनके द्वारा 06 माह पूर्व में भी एक गोह को मारकर खाना बताया गया। उनके बयान आधार पर 19 अप्रैल को प्रकरण में लिप्त दोनों अपचारी बालको को निरुद्ध कर मेडिकल जांच हेतु खंड चिकित्साधिकारी सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ भेजा गया। मेडिकल जांच उपरांत उक्त दोनों अपचारी बालकों को न्यायिक रिमांड हेतु प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड रायगढ़ के समक्ष विधिवत् प्रस्तुत किया गया। दोनों अपचारी बालकों को प्रधान मजिस्ट्रेट न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड रायगढ़ द्वारा 30 अप्रैल 2025 तक बाल सम्प्रेक्षण गृह रायगढ़ भेजा गया। प्रकरण में अग्रिम जांच कार्यवाही जारी है।

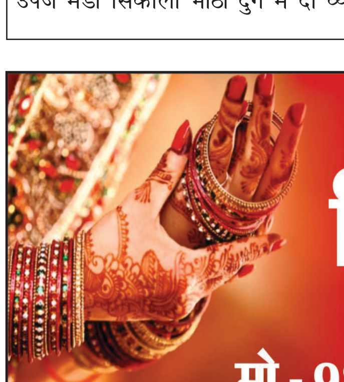

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

सुशासन तिहार से योजनाओं का सीधा लाभ, जनता के चेहरे पर मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई में छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ सुशासन तिहार सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इस तिहार का उद्देश्य जनसरोकार से जुड़े मामलों, शिकायतों का त्वरित निराकरण करना और हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ दिलाना है। महासमुंद जिले में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के नेतृत्व में त्वरित कार्यवाही से जनता को राहत मिली है।

महासमुंद शहर के वार्ड नं. 25 की दीपा साहू ने मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत आवेदन किया था। पात्रता जांच के बाद उन्हें 20,000 रुपए की सहायता राशि मंजूर की गई है, जो एक मई को सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। यह राशि दीपा की शिक्षा में काम आएगी। उनका सपना है कि वह शिक्षिका बनकर समाज को नई दिशा दें।

पिथौरा विकासखंड के ग्राम जंघोरा निवासी मनोहर सिंह पटेल को तकनीकी कारणों से पहले आयुष्मान कार्ड नहीं मिल पाया था। उन्होंने सुशासन शिविर में शिकायत दर्ज कराई, जिसे केवल 24 घंटे में सुलझाया गया। 16 अप्रैल को उन्हें उनका कार्ड मिल गया जिससे अब वे निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ले सकेंगे। इसी तरह सरायपाली के ग्राम राफेल की आसनी निषाद ने शिकायत की थी कि उन्हें महतारी वंदन योजना की कोई किस्त नहीं मिली। जांच में पाया गया कि उनका आधार इनएक्टिव था, जिससे भुगतान अटक गया था। आधार अपडेट के बाद अब उन्हें डीबीटी के माध्यम से राशि प्राप्त होगी।

सिमगांव की किसान उषा बाई चौहान ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने की शिकायत की थी। बैंक विवरण से पता चला कि राशि पहले से ही उनके पोस्ट ऑफिस खाते में जमा हो रही है। इसी तरह छह अन्य किसानों की शिकायतों का भी त्वरित निराकरण हुआ। सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि है जनता की समस्याओं को सुनना और समाधान देना। इससे न सिर्फ सरकारी योजनाओं पर भरोसा बढ़ा है बल्कि शासन और जनता के बीच संवाद और विश्वास भी मजबूत हुआ है।

सुशासन तिहार में मिला जीवन साहू को स्ट्रीट लाईट की सुविधा

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जनकल्याण और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सुशासन तिहार 2025 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की यह अभिनव पहल नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान किया जा रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी समीक्षा और जिला प्रशासन तथा जनता के बीच सशक्त संवाद भी साकार हो रहा है। इसी कड़ी में नारायणपुर के वार्ड क्रमांक 10 मुरियापारा निवाषी जीवन साहू के द्वारा सुशासन तिहार में स्ट्रीट लाईट के लिए आवेदन किया गया। जीवन साहू ने बताया कि नगर पालिका द्वारा मुनादी के माध्यम से मुझे ज्ञात हुआ कि राज्य सरकार द्वारा 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है जिसमें लोग अपनी समस्या का निदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। जानकारी मिलते ही मैंने भी 09 अप्रैल को समाधान पेटी में आवेदन जमा किया। मेरे घर के बाहर लगे स्ट्रीट लाईट जो कुछ दिनों से ख़राब हो गया था। उसे नगर पालिका क्षेत्र में जाकर सुसाशन तिहार के अंतर्गत आवेदन जमा किया, जिसके तहत नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा तवरित कार्यवाही करते हुए 09 अप्रैल को ही मेरे घर के सामने स्ट्रीट लाईट को रिपेयर किया गया, जिससे मेरी समस्या का निदान हो गया, अब स्ट्रीट लाईट की प्रकाश से मेरे बच्चे आंगन में बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। मैं राजमिस्त्री का कार्य करता हूं मेरे परिवार में चार सदस्य है, राजमिस्त्री के कार्य से ही जीवन यापन व्यतित कर रहा हूं। सुशासन तिहार में मैं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने के लिए आवेदन भी किया हूं। नगरपालिका अधिकारी के द्वारा जानकारी दी गई है कि प्रधानमंत्री आवास भी शीघ्र स्वीकृत किए जाने की आश्वासन दिया गया है।

सुशासन तिहारः लोगों को मिल रहा त्वरित समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू किए गए सुशासन तिहार में लोगों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल रहा है। रायगढ़ जिले में सुशासन तिहार के अंतर्गत आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार के लिए विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। टीम गांवों में पहुंचकर आवेदनों का निराकरण कर रही है। वहीं किसान किताब के आवेदन पर कृषक को उसके घर जाकर प्रति सौंपी गई। मनरेगा के जॉब कार्ड के लिए आवेदकों को घर बैठे ही जॉब कार्ड बना कर दिया गया।

हर ब्लॉक में प्राप्त आवेदनों के आधार पर आज तीन तीन जगहों पर कैंप लगाकर लोगों के आधार कार्ड से जुड़ी दिक्कतों के समाधान के लिए टीमें पहुंची। ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा के निवासी अनुज कुमार निषाद के बेटे गौरव निषाद के आधार कार्ड में कुछ जानकारी सुधारनी थी। इस त्रुटि के चलते स्कूली छात्र गौरव का अपार आईडी नहीं बन पा रहा था। पिता अनुज निषाद ने सुशासन तिहार में बेटे के आधार कार्ड की जानकारी सुधारने का आवेदन दिया था। जिस पर

कार्यवाही करते हुए उनके बेटे के आधार कार्ड को सुधारने की प्रक्रिया की गयी। इसी प्रकार कई अन्य आवेदकों द्वारा उनके बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया गया था। उस पर भी प्रक्रियात्मक कार्यवाही की गयी।

घर पर मिला किसान किताब

ग्राम कांटाहरदी निवासी श्री देवेन्द्र सिदार ने किसान किताब की द्वितीय प्रति हेतु सुशासन तिहार के अंतर्गत आवेदन किया था। जिला प्रशासन द्वारा इस पर कार्रवाई करते हुए पटवारी को उनके निवास पर भेजा गया। गांव के पटवारी ने दस्तावेजों की जांच करते हुए पंजीकृत रजिस्ट्री से मिलान किया, जिसमें जानकारी सही पाए जाने पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात श्री देवेन्द्र सिदार को किसान किताब की द्वितीय प्रति प्रदान की गई। उन्होंने इस त्वरित समाधान पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया और कहा कि यह पहल शासन की संवेदनशीलता और पारदर्शिता का प्रतीक है, जिससे आम जनता का विश्वास प्रशासन पर और भी दृढ़ हुआ है। सुशासन तिहार की जानकारी गांव तक पहुंची तो डूमरपाली निवासी श्रीमती दिव्या साहू ने भी नए जॉब कार्ड के लिए आवेदन दिया। उनके आवेदन को निराकृत करने रोजगार सहायक खुद उनके घर पहुंचे और औपचारिकता पूरी करके नया जॉब कार्ड उन्हें हाथों-हाथ सौंपा। जॉब कार्ड हाथों में आते ही दिव्या ने कहा कि पहली बार ऐसा लगा कि शासन की योजनाएं हमारे दरवाजे तक आयी है। बिना चक्कर लगाए, बिनी किसी परेशानी के मुझे मेरे आवेदन का समाधान मिल गया है।

सुशासन तिहारः जनता से सरोकार, बहने लगी खुशियों की बयार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई में प्रदेश में सुशासन तिहार की शुरुआत की गई है, जो कि सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं की व्यापक सफलता का प्रतीक बन चुका है। इस तिहार का उद्देश्य है आम जनता तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाना और उन्हें सशक्त बनाना। वास्तव में निराकरण से जनता के दिलों में खुशियों की बयार बहने लगी है। जनता से सरोकार और संवाद करने वाली सरकार जनता की हितों के लिए उनके द्वारा दिए गए आवेदनों का गम्भीरता से निराकरण कर रही है, जिसका असर दिखाई दे रहा है।

महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत अमलीडीह के आश्रित ग्राम पतेरापाली की निवासी श्रीमती युगेश्वरी ध्रुव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्के मकान के लिए सुशासन तिहार के दौरान आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी इस आवश्यक मांग को प्रशासन ने प्राथमिकता से संज्ञान में लिया। मोर द्वार साय सरकार अभियान के

तहत जिले की टीम तुरंत उनके घर पहुँची। त्वरित सर्वेक्षण के बाद यह स्पष्ट हुआ कि वे योजना की पात्र हैं। उनका नाम आवास प्लस सर्वे 2.0 में दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही उनके मकान का निर्माण शुरू हो जाएगा। वर्षों से एक पक्के घर का सपना संजोए बैठी श्रीमती ध्रुव की आंखों में अब उम्मीद की चमक है। वह सपना, जो कभी दूर और धुंधला लगता था, अब सरकार की पहल से एक नई सुबह की तरह उनके जीवन में उजाला भरने को तैयार है। अब वह दिन दूर नहीं जब उनका आशियाना केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि जीती-जागती सच्चाई होगा। गौरतलब है कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी सजगता और तत्परता से कार्य कर रहा है।

दीपा को मिलेगा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण का लाभ

इसी बीच सुशासन तिहार 2025 के दौरान आयोजित एक शिविर में महासमुंद के वार्ड नं. 25 कुम्हार पारा की रहने वाली कु. दीपा साहू ने मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत आवेदन किया। आवेदन क्रमांक 25270180824120 के माध्यम से उनकी पात्रता की जांच की गई और वे इस योजना के लिए पात्र पाई गईं। जिले के श्रम पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इस विशेष योजना के अंतर्गत दीपा को 20,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जो 01 मई 2025 को सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और भविष्य में एक प्रेरणादायक शिक्षिका बनें ताकि वे और भी बेटियों को शिक्षा के महत्व से जोड़ सकें।

जनसरोकार की समस्याओं का त्वरित समाधान

महासमुंद। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2025 जनकल्याण और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जनसरोकार से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु सजगता और तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत महासमुंद जिले में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। ग्राम पंचायत जंघोरा, विकासखंड पिथौरा निवासी मनोहर सिंह पटेल ने आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। पूर्व में किसी तकनीकी कारणवश उनका कार्ड नहीं बन पाया था, जिससे वे योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे।

कलेक्टर विनय लंगेह के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार के तहत प्रस्तुत उनके आवेदन को गंभीरता से लिया गया और मात्र 24 घंटे के भीतर समाधान कर दिया गया। कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा द्वारा 15 अप्रैल 2025 को सूचना दी गई कि उनका आयुष्मान कार्ड बनकर तैयार हो गया है और अगले ही दिन, 16 अप्रैल को उन्हें कार्ड प्रदान कर दिया गया। इस त्वरित कार्रवाई से प्रसन्न होकर श्री पटेल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा, सरकार की इस संवेदनशील पहल से मुझे और मेरे परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा की

बड़ी सुविधा प्राप्त हुई है। अब मैं अच्छे इलाज के लिए इस कार्ड का उपयोग कर सकूंगा। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड एक ऐसा स्वास्थ्य बीमा कार्ड है, जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को हर साल 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज भारत सरकार द्वारा अधिकृत अस्पतालों में प्राप्त होता है।

इस कार्ड के माध्यम से गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवार गंभीर बीमारियों का भी कैशलेस इलाज निजी व सरकारी अस्पतालों में करवा सकते हैं। इसमें सर्जरी, डायग्नोस्टिक, दवा, भर्ती, और फॉलोअप जैसी सुविधाएं शामिल होती हैं। सुशासन तिहार 2025 का उद्देश्य शासन को आमजन तक पहुंचाना है, जहां लोगों की छोटी-बड़ी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 28 स्कूलों में स्मार्ट क्लास-रूम का किया शुभारंभ

स्मार्ट क्लास से विषयों को और अधिक अच्छे से समझ सकेंगे बच्चे पढ़ाई में रुचि और सीखने की क्षमता बढ़ेगी : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली के लोरमी विकासखंड के 28 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास-रूम का शुभारंभ किया। उन्होंने लोरमी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैगाकापा में आयोजित कार्यक्रम में सभी स्मार्ट क्लास-रूम का विधिवत शुभारंभ किया।

उन्होंने स्मार्ट क्लास-रूम में अध्ययन-अध्यापन की सुविधाओं को देखा और इसके लिए स्थापित किए गए तकनीकी उपकरणों की सराहना की। एचडीएफसी बैंक और एआरओ फाउंडेशन के सहयोग से स्कूलों में ये स्मार्ट क्लास-रूम बनाए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्मार्ट क्लास-रूम का शुभारंभ करते हुए कहा कि स्मार्ट क्लास-रूम से बच्चों की पढ़ाई में रुचि और सीखने की क्षमता बढ़ेगी। इसके जरिए वे अपने विषयों को और अधिक अच्छे से समझ सकेंगे। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को भी अध्ययन-अध्यापन की नई और प्रभावी तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मार्ट क्लास-रूम आप लोगों के लिए बना है। सभी विद्यार्थी इसका सदुपयोग करते हुए विषयों पर अपनी पकड़ मजबूत करें। उन्होंने स्मार्ट क्लास-रूम के शुभारंभ पर बधाई और शुभकामना दीं। उप मुख्यमंत्री साव ने बैगाकापा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूलों में डिजिटल तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। एचडीएफसी बैंक और एआरओ फाउंडेशन के सहयोग से स्मार्ट क्लास-रूम की यह पहल विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी होगी। उन्होंने दोनों संस्थाओं को इसके लिए धन्यवाद दिया।

लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा, मुंगेली जिला पंचायत की सदस्य अनिता साहू और लोरमी जनपद पंचायत की अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद थे।

वन मंत्री कश्यप ने किया केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण कर अद्यतन कार्यों का जायजा लिया। सांसद विजय बघेल व जिला एवं जनपद पंचायत के प्रतिनिधि भी साथ मौजूद थे। लघु वनोपजों के प्रसंस्करण हेतु लगभग 23 करोड़ की लागत से 110 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रसंस्करण इकाई स्थापित किया जा रहा है। वन मंत्री श्री कश्यप ने इन इकाई में प्रसंस्करण होने वाले उत्पाद की जानकारी ली। गोदामों में भंडारित वनोपज, मिलेट्स फसल, प्रसंस्करण पश्चात् वितरण आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने प्रसंस्करण संयंत्र का भी अवलोकन किया। साथ ही निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वन मंत्री श्री कश्यप ने सम्पूर्ण इकाई परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को एक पेड़ माँ के नाम पर लोगों से पौध रोपण करने की अपील की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950